दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 186/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, सोमवार 03 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

dainiksandhyaprakash.in

बसंत पंचमी पर भोपाल में सरस्वती आराधना महोत्सव

भोपाल। भोपाल के भवानी चौक पर सोमवार को तीन दिवसीय बसंत उत्सव %सरस्वती आराधना महोत्सव% का आयोजन किया गया। सुरताल और सेवा भारती नानक मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मां सरस्वती का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। मंत्रोच्चार के बीच विमल भंडारी और अन्य गणमान्य जनों ने पूजा-अर्चना की। सुरताल के संस्थापक विमल भंडारी ने बताया कि यह आयोजन पिछले 19 वर्षों से निरंतर शहरवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। इस महोत्सव में शहरवासियों को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

सांध्यप्रकाश विशेष

4 मई को खुलेंगे विश्व प्रसिद्ध भगवान बद्रीनाथ के कपाट, इस दिन से शुरू होगी चारधाम यात्रा

टिहरी। उत्तराखंड़ में वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर रविवार को टिहरी राज दरबार नरेंद्रनगर में गणेश पूजन के साथ विश्व प्रसिद्ध धाम भगवान बदरीनाथ के कपाट खोलने की तिथि घोषित कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक शुभ लग्न के अनुसार मंदिर के कपाट आगामी 4 मई को सुबह 6 बजे प्रातः विधिवत पूजा-अर्चना के साथ आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। भगवान बदरी विशाल के महाभिषेक के लिए तिलों का तेल 22 अप्रैल को पिरोया जाएगा। उसी दिन राज दरबार से गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा शुरु होगी। इसके साथ ही चारधाम यात्रा के भी विधिवत शुरुआत हो जाएगी। नरेंद्रनगर स्थित राजदरबार में बसंत पंचमी पर राज पुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने गणेश, पंचांग और चौकी पूजन के बाद महाराजा मनुजेंद्र शाह की जन्म कुंडली का अध्ययन और ग्रह नक्षत्रों की दशा देखकर भगवान बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खोलने की तिथि घोषित की।

भगवान बदरी विशाल के महाभिषेक के लिए स्थानीय सुहागिन महिलाएं महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह के नेतृत्व में 22 अप्रैल को राजदरबार में तिलों का तेल निकालेंगी। टिहरी के नरेश महाराजा मनुजेंद्र शाह बताया कि चार मई को प्रातः 6:00 बजे श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट खोल दिए जाएंगे।

इसरो को झटका: एनवीएस-02 उपग्रह के थ्रस्टर फेल, नई रणनीतियों पर काम जारी

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को नेविगेशन उपग्रह एनवीएस-02 को निर्धारित कक्षा में स्थापित करने में झटका लगा है, क्योंकि इसके थ्रस्टर प्रज्वलित नहीं हो सके।

इसरो अब इस उपग्रह को इसकी वर्तमान दीर्घवृत्तीय कक्षा में ही उपयोग करने के वैकल्पिक तरीकों पर विचार कर रहा है।

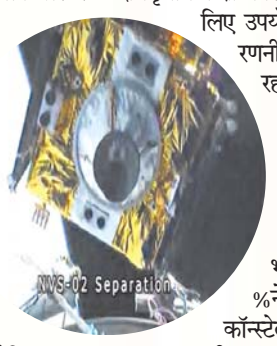

एनवीएस-02 के थ्रस्टर वॉल्व में समस्या, कक्षा समायोजन प्रभावित- इसरो के अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी कि उपग्रह के ऑर्बिट रेज़िंग ऑपरेशन को अंजाम नहीं दिया जा सका, क्योंकि थ्रस्टर प्रज्वलित करने के लिए आवश्यक ऑक्सीडाइज़र वॉल्व नहीं खुले। इस कारण से, उपग्रह अपनी पूर्व-निर्धारित भूस्थिर कक्षा में नहीं पहुँच सका और वर्तमान में एक अनुपयुक्त दीर्घवृत्तीय भू-स्थानांतरण कक्षा (तज्ञह्) में परिक्रमा कर रहा है। इसरो ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ÷सैटेलाइट सिस्टम पूरी तरह से स्वस्थ हैं और यह वर्तमान में दीर्घवृत्तीय कक्षा में स्थित है। इसे नेविगेशन के लिए उपयोग करने की वैकल्पिक रणनीतियों पर काम किया जा रहा है।÷

एनवीएस-02ः भारत के स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम का अहम हिस्सा- एनवीएस-02 उपग्रह, भारत के स्वदेशी %नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन% (हृड्ड1ढ्ढष्ट) प्रणाली का महत्वपूर्ण घटक है, जो भारतीय उपमहाद्वीप और इसके 1500 किलोमीटर के दायरे में सटीक स्थिति, वेग और समय डेटा प्रदान करता है। इसे 29 जनवरी को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एमके 2 रॉकेट के माध्यम से लॉन्च किया गया था, जो इसरो की 100वीं लॉन्चिंग थी।

विचारों की स्वतंत्रता धार्मिक संघर्ष रोकने की कुंजी : एनएसए अजीत डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रविवार को एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान धार्मिक पहचान से जुड़े संघर्षों को रोकने के लिए विचारों की स्वतंत्रता के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने संघर्ष समाधान की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए राज्यों और समाजों द्वारा

आत्मविश्लेषण के महत्व पर भी बल दिया। डोभाल के ये विचार तुर्की-अमेरिकी विद्वान अहमद टी. कुरु की पुस्तक इस्लाम, अधिनायकवाद और अविकासः एक वैश्विक और ऐतिहासिक तुलना के हिंदी अनुवाद के विमोचन के दौरान सामने आए। यह पुस्तक खुसरो फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में एक भरी सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि राज्य और धर्म के बीच संबंध केवल इस्लाम तक सीमित नहीं है, बल्कि समय के साथ विकसित हुआ है। धर्म या राज्य के प्रति निष्ठा से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। हमें अपने विचारों को कैद नहीं होने देना चाहिए। यदि आप आत्मविश्लेषण नहीं करते हैं, तो आप समय और दिशा दोनों खो देते हैं। यदि यह बहुत देर से किया जाए, तो आप पीछे रह जाते हैं,÷ डोभाल ने कहा।

दिवंगत अमेरिकी राष्ट्रपति को मरणोपरांत मिला चौथा ग्रैमी अवॉर्ड, भारी प्रतिस्पर्धा के बीच

दिवंगत अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर को रविवार को मरणोपरांत ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें %सर्वश्रेष्ठ ऑडियोबुक, नैरेशन और स्टोरीटेलिंग रिकॉर्डिंग% की श्रेणी में यह सम्मान मिला। यह उनकी चौथी ग्रैमी जीत है, जो उनके अंतिम संडे स्कूल पाठों के संकलन %लास्ट संडे इन प्लेन्सः ए सेंटेनियल

सेलिब्रेशन% के लिए दी गई। जिमी कार्टर का निधन 29 दिसंबर 2024 को 100 वर्ष की आयु में हुआ था। अपने गृहनगर जॉर्जिया के मैरानाथा बैपटिस्ट चर्च में उन्होंने प्रेम, दया, क्षमा और परलोक के बारे में प्रवचन दिए थे, जो इस ऑडियोबुक में संग्रहित हैं। यह ऑडियोबुक अगस्त 2024 में उनकी मृत्यु से कुछ महीने पहले रिलीज़ हुई थी और इसमें डेरियस रुकर, जॉन बैटिस्ट और लीन राइम्स सहित अन्य कलाकारों का संगीत भी शामिल है।

कार्टर के पोते जेसन कार्टर ने अवॉर्ड ग्रहण किया- पूर्व राष्ट्रपति के पोते जेसन कार्टर ने लॉस एंजेलेस में आयोजित प्री-गाला समारोह में यह पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ÷मेरे परिवार और दुनिया के लिए उनके शब्दों को इस तरह संजोया जाना वास्तव में अद्भुत है।

दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में बेईमानी का काम हो रहा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के कुछ छात्रों से बातचीत की। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने दिल्ली सरकार की शिक्षा नीति पर सवाल खड़े किए।

उन्होंने कहा, मैंने सुना है कि दिल्ली में 9वीं कक्षा के बाद बच्चों का ओगे जाने नहीं देते, जो बच्चे गारंटी हैं कि पास होंगे, उन्हें को जाने देते हैं। आप सरकार सोचती है कि बच्चों के रिजल्ट खराब हो जाएंगे तो उनकी इज्जत खराब हो जाएगी। दिल्ली में बेईमानी का काम हो रहा है।

आप के शिक्षा मॉडल पर पीएम मोदी ने साधा निशाना

पीएम मोदी ने पेड़ के नीच बैठकर बच्चों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने तर्क दिया कि बोर्ड परीक्षाओं में छात्रों को बराबर मौके देने के बजाय, कमजोर छात्रों को सिर्फ अपने %बहुप्रचारित% शिक्षा मॉडल को बढ़ावा देने और पार्टी को अच्छी छवि दिखाने के लिए रोका जाता है। आम आदमी पार्टी दावा करती आई है कि राज्य में शिक्षा की वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी मुहैय्या कराई जा रही है। बता दें कि 5 फरवरी को दिल्ली में विधानसभा चुनाव होना है।

भोपाल में बनेगा दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान का भवन

हिन्दुत्व से बढ़कर विश्व बंधुत्वता: मोहन यादव

भोपाल। भोपाल के लिंक रोड़ नंबर 3 स्थित पत्रकार कॉलोनी के सामने सोमवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के भवन निर्माण का भूमिपूजन हुआ। सीएम डॉ मोहन यादव ने आरएसएस के पूर्व सर कार्यवाह सुरेश सोनी, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान की प्रबंध कार्यकारिणी समिति के सदस्य विजय मनोहर तिवारी, प्रांत संघ चालक अशोक पांडेय, हेमंत मुक्तिबोध, चेतस सुखाडिया, रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में भवन का भूमिपूजन किया।

अकेले इंसान नहीं पशु पक्षी भी अपना घर चाहते हैं- कार्यक्रम में संघ के पूर्व सर कार्यवाह सुरेश सोनी ने कहा- सृष्टि में सबको अपने एक घर की इच्छा होती है। वो केवल मनुष्य को होती है ऐसा नहीं हैं। पक्षी अपना घोसला चाहता है सांप बिल चाहता है तो सिंह अपने लिए गुफा चाहता है। मनुष्य जीवन में आदमी किराए से भी अपना काम चला लेता है लेकिन ये इच्छा होती है कि अपना एक घर हो जाए। जैसे व्यक्ति की इच्छा होती है वैसे ही संस्थाओं की भी इच्छा होती है। अब तक यह संस्थान मजदूर संघ के कार्यालय में चल रहा था। अब इसका अपना भवन होगा।

जो गलत है उसे ठीक करना है

भविष्य की दिशा जो हम चाहते हैं। समस्याएं दो कारण से ज्यादा बड़ी हो जाती हैं। एक तो जब विस्मरण हो जाता है तो हम अपने को भूल जाते हैं या गलत पढ़ लिया तो भी गड़बड़ होती है। तो भारत के अकादमिक जगत में ये दो समस्याएं हैं। एक विस्मरण की समस्या है कि इसमें अपना क्या है? और जितने खुद को ज्ञान समझते हैं।

बुद्धिजीवियों का ग्रेविटेशनल सेंटर भारत केन्द्रित होना जरुरी

सुरेश सोनी ने कहा- जिन डीएस कोठारी के नाम से शिक्षा आयोग बना था वो कहा करते थे। कि भारत के बुद्धिजीवियों की सबसे बड़ी प्रॉब्लम है कि उनका ग्रेविटेशनल सेंटर भारत से बाहर है। वे कहते थे शिक्षा रिसर्च इससे करना क्या

है। तो डीएस कोठारी कहते थे कि बस यही करना है जो ग्रेविटेशनल सेंटर भारत के बाहर चला गया है उसे भारत केन्द्रित करना है। इसलिए ये सारे रिसर्च सेंटर, शिक्षा का ये उद्देश्य है कि शिक्षा संस्कृति शोध के माध्यम से हम अपने को समझे। जो गलत समझाए उसे ठीक करने के लिए जो करना है उसे समझें। और इस धारा को लेकर सब लोग चलेंगे तो ज्यादा देर नहीं लगेगी। 10-15 सालों के अंदर भारतीयता के अधिष्ठान पर जो हम भारत के निर्माण की बात सोच रहे हैं। उसमें सक्षम हो सकते हैं।

बजट सत्र में महाकुंभ भगदड़ पर विपक्ष का वॉकआउट

मौतों का सही आंकड़ा जारी करने की मांग

स्पीकर बोले- सदन में सवाल करें, मेज न तोड़ें

नई दिल्ली। बजट सेशन के तीसरे दिन सोमवार को विपक्ष ने लोकसभा में महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर जमकर हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने स्पीकर से कहा कि सरकार भगदड़ से हुई मौतों का सही आंकड़ा जारी करे।

इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- राष्ट्रपति जी ने अपनी स्पीच में महाकुंभ का भी जिक्र किया है। अभी प्रश्नकाल है, इसलिए इस समय दूसरे किसी भी विषय पर चर्चा नहीं हो सकती। अपने सवाल रखें।

इसके बाद भी विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। वे लगातार नारा लगा रहे थे- सरकार कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। केंद्र सरकार होश में आओ, होश में आओ।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सांसदों से तल्ख अंदाज में पूछा- आपको जनता ने यहां सवाल पूछने भेजा है कि मेज तोड़ने, अगर मेज तोड़ने भेजा है तो और जोर से मारिए।

संसद के दूसरे सदन राज्यसभा में भी महाकुंभ भगदड़ में हुई मौतों पर लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। थोड़ी देर कार्यवाही चलने के बाद राज्यसभा से विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। हालांकि सभी एक घंटे बाद लौट आए।

दरअसल, 29 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ हुई थी। यूपी सरकार ने 17 घंटे बाद 30 मौतों और 60 लोगों के घायल होने की बात मानी थी। विपक्ष ने इसी पर यूपी समेत केंद्र सरकार को घेरा है।

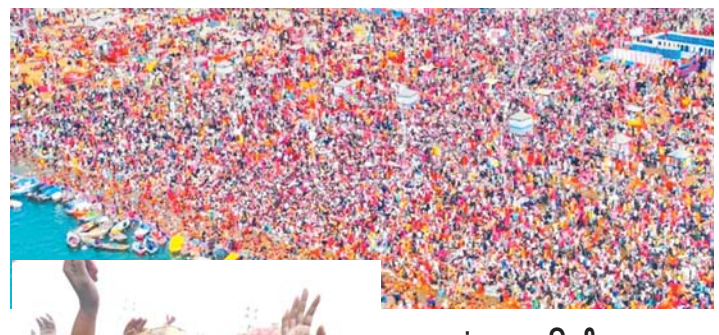

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान, 1.63 करोड़ ने डुबकी लगाई

प्रयगराज। वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान जारी है। हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख। शरीर पर भभूत। आंखों पर काला चश्मा। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंच रहे हैं। सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संत संगम पहुंचे। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने अमृत स्नान किया। अब तक 13 में से 10 अखाड़े स्नान कर चुके हैं।

1 करोड़ की नौकरी ठुकराई और पहली बार में पीएससी में टॉप किया!

सांध्यप्रकाश विशेष

यूपीएससी के कई उम्मीदवारों को ढ्ढस् अधिकारी कनिष्क कटारिया की जीवन यात्रा प्रभावित करती है। आईआईटी शिक्षा से लेकर उनकी वर्तमान भूमिका तक की यात्रा बेहद प्रेरणा देती है। सिविल सेवा में आने के अपने सपने को पूरा करने के लिए अच्छी तनख्वाह वाली सैमसंग की एक करोड़ की नौकरी से इस्तीफा देने का उनका असाधारण फैसला रंग लाया। क्योंकि, वह 2018 में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल करने में सक्षम हुए।

कनिष्क की शिक्षा सेंट पॉल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शुरू हुई। उनकी शुरुआती सफलता आईआईटी जेईई-2010 परीक्षा के नतीजे से स्पष्ट हुई, जहां उन्होंने उल्लेखनीय 44वीं रेंक पायी। इसने उन्हें एप्लाइड स्टैटिस्टिक्स में माइनर्स के साथ कंप्यूटर साइंस में बी-टेक ऑनर्स करने के लिए आईआईटी-मुंबई में दाखिला लिया। कनिष्क ने अपने करियर की शुरुआत डेटा साइंस के बारे में सीखकर की। कैलिफोर्निया के स्टार्टअप में जाने से पहले उन्होंने सबसे पहले दक्षिण कोरिया में सैमसंग कंपनी के लिए काम किया। उन्होंने अपना कॉर्पोरेट पद छोड़कर जोखिम लेने का फैसला किया। पैसा कमाना सिविल सेवा परीक्षा का एकमात्र लक्ष्य नहीं है। इसका बेहतरीन उदाहरण है राजस्थान कैडर के ढ्ढस् अफसर कनिष्क कटारिया।

उन्होंने क्क्स्ष्ट क्रैक करने के लिए 1 करोड़ की नौकरी भी छोड़ी और खास बात ये कि पहले ही प्रयास में वे क्क्स्ष्ट-2018 के टॉपर बन गए।

इस मुश्किल परीक्षा पास करने का श्रेय कनिष्क ने अपने माता-पिता और परिवार के अलावा गर्लफ्रेंड को भी दिया। कनिष्क के इस बयान ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। कनिष्क को राजस्थान कैडर मिला और अभी वो राज्य सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल में ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त हैं।

उनके पिता और ताऊ सिविल सर्विस में थे, इसलिए उन्होंने क्क्स्ष्ट के बजाए ढ्ढञ्ज में अपना भविष्य चुना। क्क्स्ष्ट की तैयारी शुरू करने से पहले तक तो उन्हें प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के बीच का अंतर भी नहीं पता था। वो नहीं जानते थे कि भारत में चुनाव कैसे होते हैं। मगर दो साल की तैयारी ने उन्हें काफी कुछ सिखाया, नतीजा ये हुआ कि महज 2 साल में कनिष्क उसी सिविल सेवा परीक्षा के टॉपर बने, जिसके बारे में उन्हें कुछ नहीं पता था।

IIT से कम्प्यूटर साइंस में बीटेक की डिग्री हासिल की और नौकरी के सिलसिले में दक्षिण कोरिया चले गए। दक्षिण कोरिया की कंपनी में उन्हें 1 करोड़ का पैकेज मिला। मगर पैसा होने के बावजूद कनिष्क को सुकून नहीं मिला। कनिष्क का कहना है, कि वो अपने देश के लिए कुछ करना चाहते थे, इसलिए विदेश में 1 साल बिताने के बाद कनिष्क भारत लौट आए और उन्होंने सिविल सेवा की परीक्षा देने का मन बनाया।

कनिष्क अपनी सफलता का राज मेहनत बताते हैं। उन्होंने 2 साल पहले अखबार पढ़ना शुरू किया, जिससे उन्हें करंट अफेयर्स की जानकारी रहे। अखबार के साथ वो ऑनलाइन खबरें और मैग्जीन भी पढ़ा करते थे। क्क्स्ष्ट के पैटर्न को समझने के लिए कनिष्क ने कोचिंग ज्वाइन की और 11-12 महीने बाद उन्होंने सेल्फ स्टडी पर फोकस करना शुरू कर दिया।

भोपाल। आध्यात्मिक सांस्कृतिक धरोहर का महापर्व महाकुंभ प्रयागराज में सोमवार वसन्त पंचमी पर जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज एवं सन्तों के पावन सानिध्य में यात्रा संयोजक विजय खण्डेलवाल ने त्रिवेणी गंगा में अमृत शाही स्नान किया।

अवधपुरी में 17 साल से लंबित एमजीएम सड़क परियोजना पर फिर विवाद, महासमिति ने खोला मोर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

अवधपुरी में डीआरएम ऑफिस से 11 मील बायपास तक बनने वाली 80 फीट सड़क का निर्माण पिछले 17 सालों से अधर में लटका हुआ है। इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। विवाद का कारण है सड़क के बीच में बना एक एमजीएम स्कूल, जिसके पास टीएंडसीपी की अनुमति नहीं है। एमजीएम स्कूल प्रबंधन ने हाईकोर्ट से स्टे लाकर सड़क निर्माण में अड़चन पैदा कर दी है। इससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अवधपुरी परिक्षेत्र जनकल्याण महासमिति इस सड़क के निर्माण के लिए पिछले कई सालों से प्रयासरत है। महासमिति ने अब हाईकोर्ट जाकर सभी कानूनी दस्तावेज पेश कर कोर्ट से मामला सुलझाने का निर्णय लिया है। महासमिति के अध्यक्ष रमन तिवारी ने कहा कि यदि अवधपुरी के विकास में कोई भी बाधा डालता है तो उसे किसी भी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली गई है। और कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी और कहां गया कि अवधपुरी में प्रस्तावित सभी सड़के आशिमा मॉल से खजूरीकला सड़क, एम्स से अमरावद खुर्द सड़क, बी डी ए रोड सभी को विधायक और नगर निगम द्वारा जल्दी पूरा करने हेतु प्रयास करेंगे। समिति उपाध्यक्ष सोहन सिंह राजपूत द्वारा कहने पर क्षेत्रीय पार्षद बी शक्तिराव ने आश्वासन दिया है कि वे कमिश्नर से कहकर स्कूल को तुड़वाने का प्रयास करेंगे। इस बैठक में महासमिति के सभी पदाधिकारी, संबंधित कॉलोनी के समस्त अध्यक्ष और स्थानीय निवासी मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में सड़क निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने की मांग की।

सोमवारा भवानी चौक पर तीन दिवसीय बसंत उत्सव

बसंत पंचमी पर भजन मंडलियों ने दी भजनों की प्रस्तुतियां

भोपाल। तीन दिवसीय बसंत उत्सव सरस्वती आराधना महोत्सव संस्था सुरताल ओर सेवा भारती नानक मंडल द्वारा सोमवारा भवानी चौक पर मां सरस्वती का विधि विधान से मंत्रचारों के बीच विमल भंडारी और गणमान्य जनों द्वारा पूजन अर्चन हुआ जिसमें सुरताल के संस्थापक विमल भंडारी ने बताया कि निरंतर 19 वर्षों से यह शहर का अनूठा आयोजन सभी के सहयोग से होता है ।सेवा भारती के प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया संस्था का लगातार तीन दिवसीय इस आयोजन में शहर वासियों को विभिन्न कार्यक्रम देखने को मिलेंगे सेवा भारती नानक मंडल की भजन मंडलियों द्वारा भजन और संजीव रामायणी और टीम द्वारा सुंदरकांड हुए जिसमें भजन मंडलियों को भगवान दास ढालिया,अमित जैन तड़ैया,नरेंद्र शुक्ला,अशोक सांकले,विजय गुप्ता, मुकेश अवस्थी, तृप्ति अग्रवाल आदि ने मंडलियों का सम्मान किया

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए लगेंगे ये दस्तावेज, इतना आएगा खर्च

इस यात्रा पर करीब 2.5 लाख रुपये का खर्च आएगा

भारत और चीन के बीच संबंधों में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। चीन ने कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने की अनुमति दे दी है। यह यात्रा 2020 से बंद थी, लेकिन अब हिंदू श्रद्धालु इस पवित्र स्थान की यात्रा फिर से कर सकेंगे। हिंदू धर्म एवं हिन्दू ग्रंथों के मुताबिक कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है, इसलिए श्रद्धालुओं के लिए यह एक अहम निर्णय माना जा रहा है। कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से सितंबर के बीच संभव होगी, हालांकि अभी तक यात्रा को लेकर सटीक तारीखों की घोषणा नहीं हुई है।

यात्रा के लिए जरूरी दस्तावेज

कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने वाले यात्रियों के पास पासपोर्ट और वीज़ा होना अनिवार्य है। चूंकि यह स्थान चीन के नियंत्रण वाले तिब्बत क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहां जाने के लिए चीनी सरकार की अनुमति आवश्यक होगी। बिना आधिकारिक अनुमति के कैलाश मानसरोवर की यात्रा करना संभव नहीं है।

यात्रियों के लिए शारीरिक व मानसिक फिटनेस जरूरी

कैलाश मानसरोवर की कठिन यात्रा को पूरा करने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होना अतिआवश्यक है। इसके लिए, चिकित्सा प्रमाण पत्र लेना जरुरी होगा। इसके अलावा, यात्रा के लिए पासपोर्ट, वीज़ा, निवास प्रमाण पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो जैसे जरूरी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पंजीकरण कैसे करें?

कैलाश मानसरोवर यात्रा 2025 पंजीकरण केवल ऑनलाइन है। आप विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जाकर कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के दौरान पासपोर्ट साइज़ की स्कैन की गई फोटो की आवश्यकता होती है। पासपोर्ट के पहले और आखिरी पेज की स्कैन की गई फोटो। साथ ही, फ़ोन नंबर और ईमेल आईडी का उल्लेख किया जाना चाहिए।

प्रमुख यात्रा मार्ग

उत्तराखंड का लिपुलेख मार्ग

यह सबसे छोटा मार्ग है, जहां से कैलाश की दूरी 65 किलोमीटर है। इस यात्रा को पूरा करने में 24 दिन लगते हैं।
यात्रियों को दिल्ली में तीन दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।
इस यात्रा का कुल खर्च करीब 1.80 लाख रुपये होगा।

सिक्किम का नाथुला मार्ग

यह मार्ग 802 किलोमीटर लंबा है।
यात्रा में कुल 21 दिन लगते हैं।
दिल्ली में इस मार्ग के यात्रियों के लिए विशेष प्रशिक्षण का प्रावधान है।

पत्रकार संदीप पाठक को मिलेगा माखनलाल चतुर्वेदी विशेष सम्मान

भोपाल। खोजी पत्रकार यूनियन द्वारा आयोजित खोजी पत्रकारिता अवॉर्ड 2025 में पूरे प्रदेश भर से 400 इंट्री प्राप्त हुई थी जिसमे कमेटी ने विचार किया और अवॉर्ड की घोषणा की है। इसमें भोपाल से पत्रकार संदीप पाठक को माखनलाल चतुर्वेदी अवॉर्ड से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा रानी झांसी अवॉर्ड- रजनी लिटौरिया दतिया और सरोजनी नायडू अवॉर्ड- प्रेरणा गौतम दिल्ली/भोपाल वहीं खोजी पत्रकार अवॉर्ड 2025 -मोहम्मद मुनीर शहडोल को दिया जाएगा जंसम्पर्क अधिकारी द्वारा प्रेस मीडिया सहयोग के लिए दिया जाने वाला सम्मान अरुण राठौर -उज्जैन और राजेश पाण्डे -भोपाल को दिया जाएगा।

फोटोग्राफर शरद श्रीवास्तव के भाई का निधन

भोपाल। कायस्थम के सदस्य और प्रसिद्ध फोटोग्राफर शरद श्रीवास्तव के बड़े भाई तथा स्व. बाबूलाल श्रीवास्तव के पुत्र संजय श्रीवास्तव सुपरीटेंडेंट उपभोक्ता फोरम का आज यहां निधन हो गया। वे श्रीमती अमिता श्रीवास्तव के पति थे। उनकी अंतिम यात्रा आज उनके निज आवास 105 चित्रगुप्त नगर कोटरा भोपाल से निकली तथा भदभदा विश्राम घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। कायस्थम भोपाल मप्र के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष आरपी श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव, महासचिव अभय श्रीवास्तव, सचिव डॉ .रश्मि सक्सेना, कोषाध्यक्ष मुकुल अस्थाना, संयुक्त सचिव अजय भटनागर ने संजय श्रीवास्तव को कायस्थम परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बुन्देली बसंतोत्सव काव्य संध्या आज

भोपाल। अखिल भारतीय बुंदेलखण्ड साहित्य एवं संस्कृति परिषद के तत्वाधान में बुन्देली बसन्तोत्सव-काव्य संध्या का आयोजन 3 फ़रवरी सोमवार को शाम 4बजे से, परिषद-मुख्यालय 75 चित्रगुप्त नगर ,कोटरा स्थित मड़बैया साहित्य सदन में आयोजित की जा रही है। परिषद के संगठन मंत्री देवेन्द्र जैन ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि उक्त सरस्वती आराधना के आयोजन में अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार भागीदारी करने के लिये पधार रहे हैं।

आबकारी विभाग की रेस्टोरेंट और ढाबों पर बड़ी कार्रवाई, 27 प्रकरण दर्ज

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर और सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचूरा के मार्गदर्शन में आबकारी कंट्रोलर एच.एस. गोयल के नेतृत्व में देर रात शहरभर में अवैध मदिरापान के खिलाफ कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग की दो टीमों ने बैरागढ़, एमपी नगर, रायसेन रोड स्थित टू स्टेप, एवरग्रीन, शिवहरे ढाबा, एटमॉस्फियर, ञत्र्क्र वायु, वाटिका, खुशी रेस्टोरेंट, समायरा और समरधा रिसॉर्ट सहित कई होटल-ढाबों पर छापेमारी की। अवैध रूप से शराब परोसने और मदिरापान करने वालों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कुल 27 प्रकरण दर्ज किए गए। इन मामलों में होटल एवं ढाबा संचालकों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई है। आबकारी कंट्रोलर एच.एस. गोयल ने बताया कि इस तरह की कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि अवैध शराब कारोबार पर रोक लगाई जा सके।

भारतीय संस्कृति के सभी पर्व शुभ भाव में रहने का संदेश देते है: योग गुरु महेश अग्रवाल

बसंत पंचमी पर्व धूमधाम से उत्साह पूर्वक मनाया

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि आज सुबह 6 बजे सामूहिक योग साधना उच्चारण गायत्री मंत्र जप महामृत्युंजय मंत्र जप एवं पुष्प वर्षा के साथ विद्या की देवी माँ सरस्वती देवी की पूजा आरती करके बसंत पंचमी पर्व उत्साह पूर्वक मनाया गया।

प्रमुख रुप से वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य रमेश संगमकर, सुनीता जोशी, लता पंजाबी, परवीन किदवई, श्रीमती नर्मदा चडोकर, लता बंजारी, श्रद्धा गणपते, आशा गजभिये, सुरेखा चावला, उषा सोनी, सारंगा नगरारे, , यश गौतम, निधि गौतम सुनील सोलंकी, प्रमोद चौरसिया , उपस्थित रहें। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि हिन्दी पंचांग के अनुसार, माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि जनमानस में वसंत पंचमी के नाम से लोकप्रिय है। आज के दिन ज्ञान और वाणी की देवी मां सरस्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है।

महाराजा अग्रसेन की ग्यारहवीं महाआरती का हुआ आयोजन

भोपाल। अग्रवाल समाज द्वारा चैत्र नवरात्र से अपने आराध्य देव महाराजा अग्रसेन की महाआरती प्रारंभ की गई है। जो कि महीने के प्रथम रविवार को आयोजित की जा रही है। उसी क्रम को यथावत रखते हुए आज ग्यारहवीं महाआरती का आयोजन अग्रसेन वाटिका, कमला पार्क के सामने, भोपाल में सम्पन्न हुई। मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने बताया कि आरती में भोपाल के अलग-अलग क्षेत्र में निवासरत अग्रबंधुओं सहित समाज के अध्यक्ष एवं वरिष्ठजन शामिल हो रहे हैं और जजमानी कर रहे हैं। आज की जजमानी मुकुल कुमार गुप्ता (सेवा निवृत शाखा प्रबंधक) पुत्र स्व.भाई रतन कुमार गुप्ता भोपाल विलीनीकरण के प्रणेता द्वारा की गई।

आरती के पश्चात लक्की ड्रा भी निकाला गया। विजेता निशा गुप्ता और धीरज अग्रवाल को प्रोत्साहन स्वरूप नमन इन्वेस्टमेंट एवं कन्स्लटेंसी ओर डॉ अंकुर अग्रवाल द्वारा पुरस्कार दिया गया। आरती में मुकेश गोयल, कैलाश चंद अग्रवाल लालघाटी, एडवोकेट धीरज अग्रवाल, डॉ.अंकुर अग्रवाल, रोहित गुप्ता, कैलाश अग्रवाल,रमेश चन्द्र अग्रवाल,श्याम शरण अग्रवाल ,डॉ गोयल,मोहित अग्रवाल,सुनील सिंहल, नीरज गुप्ता, नरेन्द्र गुप्ता, सौरभ गुप्ता, विशाल अग्रवाल ,निशा गुप्ता,मोनिका गुप्ता ,अर्चना गुप्ता ,मोना अग्रवाल सहित अनेक अग्रबंधुओं सहित महिलाएं एवं बच्चें शामिल हुए।

मप्र के बाग प्रिंट शिल्पियों की पुणे की विरासत हाट में धूम

बॉलीवुड हस्तियों ने बाग प्रिंट की सराहना की, शिल्पियों का बढ़ाया मनोबल

भोपाल। मध्यप्रदेश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले बाग प्रिंट ने पुणे के विरासत कारीगर हाट में अपनी अनूठी छाप छोड़ी। पुणे के मोनालिसा कलाग्राम में आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुश्री गौरी शिंदे और आर. बाल्की ने किया। यह पहली बार है जब भारत में इस स्तर पर विरासत कारीगर हाट का आयोजन किया गया है, जिसमें देशभर के 30 प्रमुख शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है। यह प्रदर्शनी 3 फरवरी 2025 तक चलेगी। धार जिले के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पगुरु मोहम्मद युसुफ खत्री और अब्दुल करीम खत्री ने इस आयोजन में मध्यप्रदेश की प्रतिष्ठित बाग प्रिंट हस्तकला का प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से आए शिल्प प्रेमियों ने इस प्राचीन कला को नजदीक से जाना, इसकी बारीकियों को समझा और बाग प्रिंट की समृद्ध परंपरा से रूबरू हुए। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती लिसा पिंगले ने अपने फार्म हाउस मोनालिसा पर देशभर के 30 प्रतिष्ठित शिल्पकारों को निःशुल्क आमंत्रित किया। उन्होंने बाग प्रिंट के प्रति अपनी विशेष रुचि दर्शाते हुए स्वयं बाग प्रिंट की साड़ी खरीदी और वहीं पर ब्लाउज सिलवाकर इसे पहनकर इस हस्तशिल्प का प्रचार किया। बॉलीवुड की दिग्गज निर्माता गौरी शिंदे और आर. बाल्की ने बाग प्रिंट की सुंदरता और विशिष्टता की सराहना की। इस अवसर पर मोहम्मद युसूफ खत्री ने विरासत कारीगर हाट की ओर से फिल्म निर्माता आर. बाल्की को बाग प्रिंट की एक विशेष पेंटिंग भेंट की। यह हस्तशिल्प कला के प्रति उनके योगदान और समर्थन के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत की गई।

स्मार्ट सिटी के नवागत सीईओ अंजू अरुण ने किया निरीक्षण

ग्लोबल इनवेस्ट समिट से पहले सड़कों की मरम्मत के निर्देश

भोपाल। नवागत सीईओ स्मार्ट सिटी, आईएएस अंजू अरुण ने पदभार ग्रहण करने के बाद तुरंत स्मार्ट सिटी के ए.बी.डी. (एरिया बेस्ड डेवलपमेंट) क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आगामी ग्लोबल इनवेस्ट समिट 2025 की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए अटल पथ (बोलेवर्ड स्ट्रीट) और लाडली लक्ष्मी पथ (स्मार्ट रोड) समेत अन्य प्रमुख मार्गों की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के निर्देश दिए। भोपाल में 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाले ग्लोबल इनवेस्ट समिट को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को 15 फरवरी तक आवश्यक कार्य पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान एसई सुरेश सेजकर, एई रितेश शर्मा और सौरभ सर्राफ सहित अन्य साइट इंजीनियर उपस्थित रहे। 2017 बैच की आईएएस अधिकारी अंजू अरुण, जो पूर्व में ग्वालियर में एडीएम के रूप में कार्यरत थीं, को भोपाल स्मार्ट सिटी सीईओ पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने 31 जनवरी 2025 को पदभार ग्रहण किया और पहले ही दिन स्मार्ट सिटी के विकास कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ अंजू अरुण ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्मार्ट सिटी क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत, रंगाई-पुताई और सफाई कार्य प्राथमिकता के आधार पर ग्लोबल इनवेस्ट समिट से पहले पूरा किया जाए।

भोपाल स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों में अटल पथ और लाडली लक्ष्मी पथ की मरम्मत, सड़क किनारे सफाई और सौंदर्यीकरण, स्मार्ट सिटी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुधार, सड़क संकेतकों और स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत आदि शामिल है। ग्लोबल इनवेस्ट समिट 2025 में देश-विदेश के बड़े निवेशकों के शामिल होने की संभावना है, जिसके चलते भोपाल स्मार्ट सिटी के तहत बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने का कार्य तेज कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के पूर्व वर्षों के प्रयासों से जापान यात्रा बनी सफल: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्टेट हैंगर में हुआ जोरदार स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले समय में आर्थिक क्षेत्र में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व, दस वर्ष पहले भारत विश्व में अर्थव्यवस्था की दृष्टि से 11वें नंबर पर था। अब भारत विश्व में 5वीं बड़ी आर्थिक शक्ति है और इससे आगे बढ़ाने का भारत का प्रयास है। राष्ट्र के इन प्रयासों में मध्य प्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने जापान के साथ आर्थिक संबंधों को सशक्त बनाने पर ध्यान दिया। इन प्रयासों का लाभ हमारे देश को प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सफल जापान यात्रा से स्वदेश आगमन पर भोपाल विमान तल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाल ही में संपन्न अपनी जापान यात्रा के संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री के पूर्व वर्षों के प्रयासों से मध्यप्रदेश को काफी महत्व मिला। जापान यात्रा के दौरान भी हमें काफी महत्व मिला। अनेक महत्वपूर्ण और बड़ी जापानी कंपनियों ने मध्यप्रदेश में निवेश में रुचि दिखाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे भोपाल की 24 और 25 फरवरी को हो रही ग्लोबल

इन्वेस्टर्स समिट का आमंत्रण देने जापान गए थे, लेकिन उन्हें निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं, जो मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को बदलने का कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि बौद्ध धर्म और सम्राट अशोक के कारण जापान भारत के नजदीक अनुभव करता है। जापान के नागरिक कर्म में विश्वास रखते हुए आर्थिक प्रगति के हिमायती हैं। जापान के ऐसे आदर्श को हम मध्यप्रदेश में भी अपनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि जापान का भारत से गहरा संबंध है। जापान और हमारी संस्कृति दोनों में आपस में सह-संबंध है। जापान के नागरिक कार्य निष्ठा, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम करते हैं। जापान के लोग विन्रमता के साथ झुककर नमस्कार करते हैं। वहां रिटायरमेंट की कोई सीमा नहीं होती। जब तक शरीर चले तब तक काम चलता रहेगा। मध्यप्रदेश के विकास के लिए जापान से हमारे रिश्ते अच्छे होना चाहिए। स्वाभाविक रूप से जापान के सहायोग से मध्यप्रदेश में विकास की बहुत संभावनाएं हैं, जिससे मध्यप्रदेश देश का नम्बर वन राज्य बन सकता है। मध्यप्रदेश में 55 जिले हैं और हमें सभी में विकास करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जापान यात्रा के संबंध में विस्तार पूर्ण विवरण दिया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.यादव की जापान यात्रा को सफल बताते हुए वरिष्ठ सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के अग्रणी प्रांतों में स्थान बनाएगा। उन्होंने कहा कि भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट होने वाली है, जिसमें भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री जी पधार रहे हैं। आमंत्रण पर जापान के लोग बड़ी संख्या समिट में पधारेंगे। भोपाल स्टेट हेंगर आगमन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का भव्य स्वागत किया गया। मंत्री, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पहारों से स्वागत किया।

सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता और पेयजल के कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे

अपर मुख्य सचिव डॉ.राजेश राजौरा ने उज्जैन सिंहस्थ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अपर मुख्य सचिव डॉ.राजेश राजौरा ने उज्जैन सिंहस्थ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र में स्थाई प्रकृति के निर्माण कार्यों की सभी साधु-संतों के साथ चर्चा कर कार्य-योजना बनाई जाए। स्थाई संरचनाओं में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आश्रम, पार्किंग, धर्मशाला, भोजनशाला, प्रवचन हॉल, सीवरेज लाइन, रोड़ और वॉटर सप्लाई कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए। सिंहस्थ मेला क्षेत्र में नगर विकास योजना की कार्ययोजना तैयार कर कार्य की शुरूआत जून 2025 से युद्ध स्तर पर की जाए। बैठक में सिंहस्थ में वॉटर सप्लाई नेटवर्क की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि 200 एमएलडी पेयजल क्षमता का मेला क्षेत्र में विकास किया जाएगा।

सीवर नेटवर्क डिजाइन के अंतर्गत सिंहस्थ के दौरान मेला क्षेत्र में 160 एमएलडी का सीवरेज जनरेशन होगा, जिसमें 100 एमएलडी क्षमता के स्थाई एसटीपी निर्माण किए जाएंगे और अस्थाई रूप से 60 एमएलडी क्षमता के सीवरेज का निष्पादन किया जाएगा। मेला क्षेत्र के विकास के लिए आगामी 15 अप्रैल तक डीपीआर तैयार कर ली जाएगी। भवन अनुज्ञा का कार्य आगामी 15 जून तक कर लिया जाएगा और 25 जून से कार्य प्रारंभ होगा। जल संसाधन विभाग के सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का 15.50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसकी लागत लगभग 919.94 करोड़ रूपये है, वर्तमान में कुल लागत की 14.57 प्रतिशत

वित्तीय प्रगति हो चुकी है। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना के अंतर्गत डिजाइन और सर्वे का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं खुदाई का कार्य जारी है। इसे मई 2027 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। सिंहस्थ महापर्व 2028 के मद्देनजर 778.91 करोड़ रूपये की लागत से 29 घाटों का निर्माण किया जाएगा।

क्षिप्रा नदी को प्रवाहमान बनाए रखने के लिए क्षिप्रा नदी पर बेराजों की श्रंखला का निर्माण किया जा रहा है। देवास, इंदौर और उज्जैन में बेराजों की श्रंखला बनाई जाएगी। डॉ.राजौरा के द्वारा एनवीडीए के अंतर्गत नर्मदा-क्षिप्रा लिंक योजना एवं उज्जैन उज्जैयनि परियोजना, नर्मदा-मालवा गंभीर लिंक परियोजना, नर्मदा-क्षिप्रा बहुउदेशीय परियोजना की भी समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में उज्जैन शहर की जनसंख्या लगभग 8.65 लाख है। इसमें प्रतिदिन पेयजल की मांग 178.28 एमएलडी है। वर्तमान में अम्बोदिया, गऊघाट, साहिबखेड़ी और उंडासा के जलाशयों को मिलाकर कुल पानी की क्षमता 151.01 एमएलडी है। प्रस्तावित सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना से 51 एमसीएम, नर्मदा-गंभीर लिंक परियोजना से 58.34 एमसीएम पेयजल की सप्लाई की जा सकेगी। इसके अलावा न्यू अम्बोदिया की 68 एमएलडी पेयजल क्षमता की परियोजना प्रस्तावित है। साथ ही 860 करोड़ रूपये की लागत से हरियाखेड़ी परियोजना पर 100 एमएलडी पेयजल क्षमता की परियोजना का विकास भी किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि बीडीसी के द्वारा मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। इसकी लागत कुल 592.3 करोड़ रूपये है। इसमें 550 बिस्तर की क्षमता होगी। सिंहस्थ में जनसंख्या के पीक लोड वाले दिनों में विस्तार योग्य क्षमता जोड़ी जाएगी तथा सामान्य दिनों में स्वास्थ्यकर्मियों और संसाधनों की क्षमता के अनुरूप कार्य योजना बनाई जाएगी। इसके अंतर्गत 500 अस्थाई अस्पताल और केम्प लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं को सिंहस्थ मेला क्षेत्र के अनुसार 6 झोन में बांटा जाएगा। स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटल रिकॉर्ड मेंटेन किया जाएगा। डॉक्टर और पेरामेडिकल स्टॉफ की ट्रैनिंग आयोजित की जाएगी। सिंहस्थ के गर्मी के मौसम में आयोजन को दृष्टिगत रखते हुए इलेक्ट्रोलाईट की उपलब्धता समस्त मेला क्षेत्र में जगह-जगह सुनिश्चित की जाएगी।

एसीएस डॉ.राजौरा ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपदा की स्थिति में कार्ययोजना स्टेट यूनिट के साथ मिलकर बनाई जाए। मेले के दौरान बर्न यूनिट, एम्बुलेंस की सुविधा, ब्लड बैंक, ट्रॉमा सेंटर आदि की सम्पूर्ण तैयारी रखें। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग का विशेष ध्यान हैजा और अन्य मौसम जनित बीमारियों और आपदा प्रबंधन के रिस्पांस पर रहे। स्वास्थ्य प्लान में आयुष विभाग को भी जोड़ा जाए। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास अंतर्गत नारायणा धाम के श्रीकृष्ण सुदामा मंदिर के विकास पर चर्चा की गई। डॉ.राजौरा ने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्री महाकाल लोक की मूर्तियों के नीचे पौराणिक कथाओं का वर्णन किया जाना सुनिश्चित करें। डॉ.राजौरा के द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर में स्टोन क्लेडिंग और न्यू वेटिंग हॉल, श्री महाकालेश्वर मंदिर में प्रवेश टनल मार्बल क्लेडिंग और फ्लोरिंग कार्य, आपातकालिन निर्गम, पालकी हॉल, मार्बल क्लेडिंग और फ्लोरिंग के कार्य, विजिटर फेसिलिटेशन सेंटर और श्री महाकालेश्वर भक्त निवास निर्माण कार्य की समीक्षा की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, एडीजीपी श्री उमेश जोगा, कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से की सौजन्य भेंट

खेल प्रतिभाओं को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक: शुक्ल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की और उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हाल ही में रीवा में एक भव्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है, जहां दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र के जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों से उभर रही खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बेहतर

बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया से विंध्य क्षेत्र के खिलाड़ियों के विकास के लिए रीवा में 10 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने के लिये अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण से विंध्य क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकेंगे। इस महत्वपूर्ण पहल के लिए केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया ने सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त किया और आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। रीवा के सांसद जनार्दन मिश्र और सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्र भी उपस्थित रहे।

ज़िंदगी धूप तुम घना साया..., पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्नी के साथ को लेकर कही ये बात

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपनी शादी की सालगिरह के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट साझा की। उन्होंने अपनी पत्नी मुक्तेश्वरी बघेल के साथ एक खूबसूरत तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ज़िंदगी धूप तुम घना साया...। बघेल के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं दीं। यह पहली बार नहीं है जब भूपेश बघेल ने सार्वजनिक रूप से अपने निजी जीवन के खास पलों को साझा किया है। वे अक्सर अपने पारिवारिक जीवन से जुड़े लम्हों को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते रहते हैं, जिससे उनके प्रशंसकों को उनके व्यक्तिगत जीवन की झलक मिलती है।

भोपाल में आज अमेरिका की सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर पल्लवी तिवारी सहित 26 महिला विभूतियां होगी सम्मानित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बाद नारी शक्ति की कोशिशों को सलाम करने का क्रम भी जारी है। राजधानी की सामाजिक संस्था अनुनय ऐसी ही महिला विभूतियां चुनकर उनका सम्मान करती है। संस्था के तीसरे आयोजन में करीब 26 महिलाओं को ऊर्जस्विता सम्मान से नवाजा जाएगा। आयोजन 3 फरवरी की शाम भोपाल के भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान में होगा।

संस्था प्रमुख माही भजनी ने बताया कि सम्मान समारोह में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरत 26 महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के तौर पर महिला विभूतियों का सम्मान करेंगी। आईएचएम के प्राचार्य डॉ. रोहित सरीन, प्रफुल्लित तीर्थ के पीठाधीश स्वामी मनेश्वरानंद और छत्तीसगढ़ के पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) सुधीर अग्रवाल इस अवसर पर विशेष अतिथि रहेंगे। इस अवसर पर बालाघाट में सामुदायिक विकास के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए मार्गी वॉट्स कार्टर को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। डॉ पल्लवी तिवारी को अमेरिका में मिला प्रतिष्ठित इमेजिंग इन्फॉर्मेटिक्स इनोवेटर अवार्ड मिला है।

इन विभूतियों का होगा सम्मान

डॉ अनामिका जैन- उच्च शिक्षा इंदौर, डॉ पल्लवी तिवारी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूएस, संप्रिया पूजा- लोकनृत्य एवं गायन, छत्तीसगढ़, डॉ वंदना अग्रवाल -स्कूल शिक्षा छत्तीसगढ़, ओरियल प्रिज़मैन 0संरक्षण (यूके), डॉ आरती सिन्हा- साउंड हीलर एवम वेलनेस कोच, चंद्रकला परस्ते- जनजातीय संस्कृति डिंडोरी, प्रभाकर खलको- प्रशासन छत्तीसगढ़, मेघा मुक्तिबोध- शिक्षा, मनीषा आनंद- मिसेज़ इंडिया, शोमिता भट्टाचार्य- पर्यावरण, इंदौर, रोली शर्मा, विपणन पेशेवर नई दिल्ली, आशा पठानिया- सत्कार उद्योग हरियाणा, दिव्या अत्रि- समाज सेवा, भूमिका कलम- ज्योतिष इंदौर, अंजु तड़ियाल कौशल विकास, दक्षा वैदकर- प्रिंट मीडिया, हुमेरा ख़ान सामाजिक उद्यमी, श्रुति सिंह राजनीति, विशाखा कवठेकर- आर्किटेक्ट, अर्पणा चेंडके- उद्यमी इंदौर, दीक्षा पाटकर भदौरिया नवाचार, आराधना मालवी आदिम कल्याण एवं खेलकूद (बैतूल), मीरा इंफ्लुएंसर (चीन), पूर्वा त्रिवेदी- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया।

जनजातीय अंचल के स्कूली बच्चों ने स्वच्छ जल की महत्ता को समझा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

बच्चों की बनायी गयी जल-ऑडिट टीम

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेव्हलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) एशियन डेव्हलपमेंट के सहयोग से प्रदेश में जल-प्रदाय योजनाओं पर कार्य कर रही है। इसी के साथ एमपीयूडीसी योजना क्षेत्र में स्वच्छ जल की महत्ता के संबंध में जन-जागरूकता कार्यक्रम भी चला रही है। एमपीयूडीसी ने बालाघाट जिले के जनजातीय अंचल के बैहर और मलाजखण्ड में पीएमश्री गर्ल्स् स्कूल और उत्कृष्ट विद्यालय में जल-ऑडिट कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बच्चों को शुद्ध जल के फायदे और दूषित पानी से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गयी। बच्चों को जल-संरक्षण के लिये प्रेरित किया गया। दोनों स्कूलों में बच्चों की जल-ऑडिट टीम भी बनायी गयी। इन कार्यक्रमों में 700 छात्रों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। सामुदायिक विकास अधिकारी सुश्री अपराजिता मिश्रा और उपयंत्री श्री अंकित सिंह ने बच्चों को क्षेत्र में संचालित जल-प्रदाय योजना कार्य-प्रणाली की जानकारी दी। बच्चों को पानी के रिसाव और अपव्यय के प्रति जागरूक रहने की भी समझाइश दी गयी।

भोपाल में इलाज के दौरान बांधवगढ़ के बाघ छोटा भीम की मौत

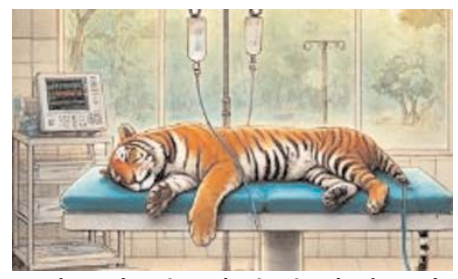

भोपाल। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व से घायल अवस्था में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान एवं जू भोपाल लाये गये नर बाघ छोटा भीम की रविवार को मृत्यु हो गयी। छोटा भीम को घायल अवस्था में 30 नवम्बर, 2024 को खितौली परिक्षेत्र से रेस्क्यू कर उपचार के लिये बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया से भोपाल लाया गया था। पोस्टमार्टम में बाघ छोटा भीम की मृत्यु का कारण कन्जेस्टिव हार्ट फेलियर बताया गया। खतौली से रेस्क्यू किये गये छोटा भीम के गले में घायल होने का निशान था। उसका उपचार राज्य पशु चिकित्सालय डॉ. एस. के. तुमड़िया, वरिष्ठ वन्य प्राणी डॉ. अतुल गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी वन विहार डॉ. रजत कुलकर्णी, वन्य प्राणी चिकित्सक वाइल्ड लाइफ एस.ओ.एस. वन विहार, वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. वैभव शुक्ला और साईटस मुख्यालय भोपाल के चिकित्सक दल की निगरानी में किया गया। दो महीने के उपचार के बावजूद बाघ छोटा भीम को नहीं बचाया जा सका। एनटीसीए नई दिल्ली एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) कार्यालय मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुरूप पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई। पोस्टमार्टम वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. प्रशांत देशमुख, डॉ. हमजा नदीम फारुकी और डॉ. रजत कुलकर्णी ने किया। बाघ छोटा भीम के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शवदाह भस्मीकरण की कार्यवाही श्री राजेश खरे, मुख्य वन संरक्षक, भोपाल, श्रीमती गीतांजलि अय्यर, आईएफएस संदेश माहेश्वरी, सहायक संचालक वन विहार, उपरोक्त लिखित सभी वन्यजीव विशेषज्ञ, श्री पी.पी. सिंह, श्री अजय शर्मा, डिप्टी कलेक्टर व अन्य की उपस्थिति में की गई। पोस्टमार्टम एवं शवदाह भस्मीकरण कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई।

अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता: उप मुख्यमंत्री देवड़ा

उप मुख्यमंत्री ने नवदम्पतियों को जीवन में नए पड़ाव के लिए दी शुभकामनाएं

उप मुख्यमंत्री एवं देवास जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि अनेकता में एकता ही भारत की विशेषता है। सोनकच्छ में आज समरसता का अद्भुत दृश्य दिखाई दे रहा है, इसके बारे में जितना कहा जाए कम है। सभी के सहयोग से ही इतना बड़ा कार्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना से आज प्रदेश में कई विवाह/निकाह सम्पन्न हो रहे है। मेरा सौभाग्य है कि मैं यहाँ आया हूँ, यहां आकर में गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

उप मुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी वर्गों के लिये योजनाएं बनाई है, योजनाओं का लाभ सभी को समान रूप से मिल रहा है। आयुष्मान योजना से सभी को 05 लाख रूपये तक का निःशुल्क उपचार मिल रहा है। उज्ज्वला योजना से सभी को गैस कनेक्शन दिये गये है। सबके घर नल से जल पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने सभी नव विवाहितों को बधाई दी। उप मुख्यमंत्री मंत्री श्री देवड़ा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत कृषि उपज मण्डी प्रांगण सोनकच्छ में सर्वधर्म सामूहिक आयोजित विवाह/निकाह सम्मेलन नवदम्पतियों को जीवन में नए पड़ाव के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में 290 हिंदू जोड़ों का विवाह एवं 42 मुस्लिम जोड़ों का निकाह करवाया गया। इसमें 03 जोड़े कल्याणी विवाह योजना एवं 2 जोड़े निःशक्त विवाह योजना से

सोनकच्छ में सामूहिक सम्मेलन में 332 जोड़ों का हुआ विवाह और निकाह

संबंधित है। मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह प्रोत्साहन योजना एवं निशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 2-2 लाख रूपये का लाभ दिया जायेगा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने 49-49 हजार रुपए का चेक वर-वधू को दिया। इस अवसर पर विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष। सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर विभिन्न समाज के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारी तथा वर-वधू के परिजन उपस्थित थे।

जो 4 मेहमान संभाल नहीं सकते, वे 45 करोड़ के भीड़ प्रबंधन पर दे रहे ज्ञान

रमण रावल

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर भगदड़ में जितनी भी मौतें हुई,घायल हुए,गुम हुए वह सब कुछ अपूरणीय क्षति है,जो किसी भी तरह की सहायता,सांत्वना से पूरी नहीं हो सकती। लेकिन इस भव्य,दिव्य,आश्चर्यजनक और अविश्वसनीय जैसा लगने वाले दुनिया के सबसे विशाल लोक एकत्रीकरण के धार्मिक समागम में हुई भगदड़ और मौतों को लेकर भारतीय संचार तंत्र,चंद कथित बुद्धिजीवी-सुधारवादी-प्रगतिशील,वामपंथी विचारधारा के पोषक और कुछ विपक्षी नेता इसमें गिद्ध की तरह आयोजन की व्यवस्थाओं का शिकार करने के लिये टूटे पड़ रहे हैं। ऐसे लोगों की सोच पर तब सवाल खड़ा हो जाता है कि आखिर उनकी क्या मानसिकता है, जो 45 करोड़ के जन समूह जुटने वाले आयोजन की अक्षुण्ण परंपरा की एक किसी कमजोर कड़ी को पकड़कर समूचे आयोजन को निशाना बना रहे हैं। भारतीयों के डीएनए की इसी कमतरी का फायदा विदेशी और विरोधी हमेशा से उठाते रहे,जिसे अभी-भी हम समझ ही नहीं पा रहे।

मौनी अमावस्या की दरम्यानी रात को अनुमान से कहीं अधिक श्रद्धालु संगम किनारे जमा हो रहे थे। इनमें से अनेक गंगा तट पर ही सोने लगे,जिसे दुर्घटना का बड़ा कारण भी बताया जा रहा है। इस बारे में वहां के जिलाधिकारी का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे तट पर सोये लोगों से अन्यत्र जाने का आग्रह कर रहे हैं। संभव है,इसके बाद भी भगदड़ मचती, लेकिन कहीं से गड़बड़ी की शुरुआत होनी होती है और वह हो चुकी थी।

अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर साढ़े तीन से चार करोड़ लोग प्रयागराज पहुंच गये थे। अब यह कैसे संभव है कि मात्र 40 वर्ग किलो मीटर के क्षेत्र में 4 करोड़ लोगों को सौ प्रतिशत सुरक्षा दी जा सके ? बावजूद इसके कि समूचे महाकुंभ के दौरान करीब 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया गया था। साथ ही प्रमुख स्नानों व विशेष अवसरों पर भी संख्या का अंदाज था ही। फिर भी प्रति व्यक्ति एक सुरक्षाकर्मी या उन्हें पूरी तरह से नियंत्रित करने वाला तंत्र तैयार रखना असंभव ही है। ऐसे में कहने वाले कह सकते हैं कि इतना बड़ा आयोजन करने की आवश्यकता क्या है? जो लोग सनातनी परंपरा,तीज-त्यौहारों,तीर्थ क्षेत्र के महत्व,प्रमुख नदियों में स्नान-ध्यान की आध्यात्मिकता के बारे में शून्य है, वे बकवास करते भी रहें तो फर्क नहीं पड़ने वाला। भारत भूमि में सदियों से ऐसे समागम होते रहे हैं और वे चिरंतन होते रहेंगे।

इस हादसे के बाद भी मीडिया की हेड लाइंस यह बन रही है कि भगदड़ के वास्तविक प्रभावितों की संख्या नहीं बताई जा रही। इस चक्कर में वे खबर में आने वाले श्रद्धालुओं की करोड़ों की संख्या को कमतर आंकने में लगे है। जिसका मतलब यह है कि हादसे से अवगत होने के बाद भी आने वालों की श्रद्धा और साहस में कोई कमी नहीं आई है। पिछले एक हफ्ते में ही 5 करोड़ के करीब श्रद्धालु आ चुके हैं, जो खबरों की हेड लाइन में नहीं बताया जा रहा। कुछ विपक्षी नेता यह राग आलाप रहे हैं कि महाकुंभ में वीआईपी को नहीं आना चाहिये, जो बेहद हास्यास्पद है। क्या वे यह कह सकते हैं कि क्रिसमस पर किसी वीआईपी को चर्च या ईद पर नमाज पढ़ने ईदगाह नहीं जाना चाहिये? ऐसी बकवास वे केवल सनातनी आयोजनों के लिये ही कह सकते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सनातनी समुदाय शांतिप्रय, सद्भाव प्रिय,सहनशील है। वह किसी को भी कुछ भी कहने की स्वतंत्रता देता है, चाहे वह उसकी परंपराओं,प्रतीकों,पर्व को लेकर भी क्यों ना हो।

एक और बात की हैरत है कि जिन लोगों के अपने घर 4 मेहमानों को बुलाने पर 10 आ जायें तो व्यवस्थायें जुटाने में पसीने छूटने लगते हैं, वे सरकार को बता रहे हैं कि वह सही ढंग से इंतजाम नहीं कर सकी।आलोचक इन तथ्यों की भी अनदेखी कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी विशाल लोक एकत्रीकरण के कार्यक्रमों में अनुमान से कई गुना अधिक भीड़ आ जाती है और भगदड़ या अव्यवस्था मचती है, फिर भी उन्हें अगले किसी कार्यक्रम में जाने से फर्क नहीं पड़ता। भारत में देश भर से 50 लाख लोग सीहोर जैसे छोटे से शहर में केवल इसलिये इकट्ठा हो जाते हैं कि उन्हें अभिमंत्रित रूद्राक्ष मिल जायेगा, जो उनके कष्ट कम करने में सहायक होगा। वहां भी भगदड मचती है, लेकिन दूसरे ही दिन फिर से वे जुटते हैं।

यदि कुंभ की ही बात करें तो 1954 और 2013 में भी प्रयाग कुंभ में भगदड़ हुई थी, ,जिसमें क्रमशः 800 व 40 मौतें हुई थीं। क्या इससे किसी कुंभ या सिंहस्थ में श्रद्धालुओं की कमी आई? केदारनाथ त्रासदी को याद कीजिये, जिसमें सैकड़ों लोग आज तक लापता हैं। क्या लोगों ने केदारनाथ-बद्रीनाथ यात्रा कम कर दी? इसका यह मतलब यह नहीं कि इस तरह के अतिशय भीड़ वाले आयोजनों में सरकारें व्यवस्थायें न जुटायें या लापरवाही बरतें। हमें देखना यह चाहिये कि जो किया गया है, क्या वह अपर्याप्त है?प्रयाग महाकुंभ की बात करें तो 40 वर्ग किलो मीटर के क्षेत्र को आयोजन के लिये पृथक जिला बनाकर सारी व्यावस्थायें वहां एक जिले की तरह जुटाई गईं। साथ ही डेढ़ लाख अस्थायी शौचालयों के लिये 20 हजार सफाईकर्मी तैनात किये गये। 50 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। सैकड़ों रेलगाड़ियां चल रही हैं। चलित अस्पताल व अन्य आवश्यक सेवायें भी की गईं, लेकिन यह कैसे संभव है कि हजारों की तादाद में मरीजों-घायलों के आ जाने पर भी व्यवस्थायें सुचारू हो सकें ? यह सोच ही नादानीपूर्ण है।प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अनमोल है, लेकिन इन धार्मिक आयोजनों, यात्राओं की बात करें तो हम पाते हैं कि ज्ञात इतिहास में जब कभी-भी कोई दुर्घटना,हादसा हुआ हो तो भी वैसे ही किसी अन्य आयोजन पर उसका किंचित भी प्रभाव नहीं पड़ा। श्रद्धालुओं की तादाद लगातार बढ़ती ही है। जो लोग इनका हिस्सा बनते हैं, वे मन में अगाध श्रद्धा लेकर यात्रा करते हैं। वे इन पुण्य भूमि पर प्राणोत्सर्ग को भी मोक्ष मानते हैं। उन्हें ऐसा मानने के लिये कोई समझाता या उकसाता नहीं है। इस महाकुंभ में भी लोगों की बेहिसाब भीड़ इस बात का प्रमाण है कि दुर्घटनायें उनके संकल्प और आस्था को रत्ती भर डिगा नहीं सकती। फिर जो लोग और मीडिया के असंख्य साथी वहां होकर आये हैं, वे बता रहे हैं कि इस सदी में उपलब्ध तमाम सुविधायें वहां जुटाई गई हैं। इसे देखने-जानने के लिये देश-दुनिया के प्रबंधन तंत्र के विशेषज्ञ,आपदा प्रबंधक,शोधार्थी लगातार आ रहे हैं कि जहां 45 करोड़ तक लोग आयेंगे, वहां किस तरह का तंत्र और व्यवस्थायें संचालित हो रही हैं।हम यहीं प्रार्थना और आशा करें कि शेष महाकुंभ निर्विघ्न संपन्न हों और एक बार फिर से उन व्यवस्थाओं का जायजा लेकर उन्हें चाक-चौबंद करें।

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवि नर्मदे

सुरेश पचौरी

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेस्मिन् सन्निधिं कुरु।।

नर्मदा भारत की सात पवित्र नदियों में एक है। पुराणों में नर्मदा को गंगा के समान पवित्र माना गया है। पौराणिक आख्यान बताते हैं कि नर्मदा प्रलय के प्रभाव से मुक्त, अयोनिजा और कुमारी है। पृथ्वी पर नर्मदा ही ऐसी एकमात्र नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। भारत की अन्य नदियों के विपरीत नर्मदा पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इसका एक नाम रेवा भी है। नर्मदा के मानस पुत्र कहे जाने वाले और तीन बार नर्मदा की परिक्रमा करने वाले प्रख्यात चित्रकार, यात्रा वृत्तांतकार और वक्ता श्री अमृतलाल वेगड़ कहते हैं कि गंगा भले ही श्रेष्ठ है, ज्येष्ठ तो नर्मदा ही है। नर्मदा के तट पर मकर संक्रांति के पुण्य पर्व पर जगह-जगह मेले लगते हैं। नर्मदांचल में बसने वाले समाज की संस्कृति का दिग्दर्शन इन मेलों से होता है। इनमें जनजातीय संस्कृति, आंचलिक संस्कृति और नागर संस्कृति का परिचय मिलता है। विविधता का ऐसा सहअस्तित्व, समन्वय, सामंजस्य और समरसता भारतीय समाज और संस्कृति की गौरवशाली विरासत है। परंपरा है।

नर्मदा के तट पर, विशेष रूप से जहाँ नर्मदा का प्रवाह अरण्य से गुजरता है, अतीत में वहाँ अनेक ऋषियों और मुनियों ने तपस्या की है। साधना की है। गुरुकुल बनाए हैं। समाज को अच्छा मनुष्य बनाने के संस्कारों की धारा प्रवाहित की है। नर्मदा को दक्षिण गंगा भी कहा गया है। नर्मदा को समाज ने माँ माना है। देवी स्वरूप में स्वीकारा है। उसकी पूजा की है। मनौती माँगी है। तटीय समाज में यह परंपरा है कि विवाह का पहला आमंत्रण नर्मदा जी को समर्पित किया जाता है। अमरकंटक में नर्मदा के उद्गम से लेकर भेड़ाघाट के धुँआधार, बरमान घाट, बांद्राभान और नर्मदापुरम् का सेठानी घाट नेमावर और हंडिया, ओंकारेश्वर और महेश्वर से लेकर भरुच तक तीर्थ स्थलों की शृंखला विद्यमान है। यहाँ धर्म और आध्यात्म की सरिता सतत् प्रवाहमान है। एकादशी, पूर्णिमा और अमावस्या को दूर-दूर से श्रद्धालु जन नर्मदा स्नान के लिए आते हैं। ग्रीष्म, पावस, शीत कोई मौसम इस

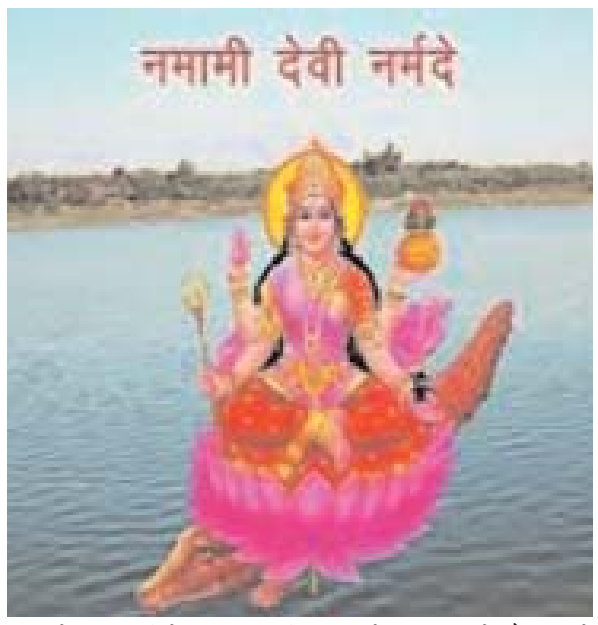

परंपरा में बाधक नहीं हो पाता। आज भी निर्जन तटों पर संन्यासियों और साधकों की कुटियाँ यत्र-तत्र दिख जाती हैं। नर्मदा जयंती पूरी नर्मदा पट्टी में उत्साह, उल्लास और आस्थापूर्वक मनायी जाती है। नर्मदा स्नान के लिए जाते पद यात्रियों और बैलगाड़ियों में सवार आबाल वृद्ध नर-नारियों के कंठों से बहती आस्था की सरिता के सुर लोकमान्यताओं का सजीव चित्रण प्रस्तुत करते हैं। यहाँ गाए जाने वाले लोकगीतों को बम्बुलियां कहा जाता है--

नरबदा मैय्या ऐसे मिली रे, जैसे मिल गए मताई और बाप रे- यह भावनात्मक नाता है नर्मदा और उसके भक्तों का।

आलेख के आरंभ में भारत की जिन सात पवित्रतम सरिताओं का उल्लेख है, वे और कुछ अन्य नदियाँ- तापी, महानदी, कृष्णा, बेतवा, क्षिप्रा आदि को पूज्य माना जाता है। भारत में होने वाले चार महाकुंभों में से दो प्रयागराज और हरिद्वार गंगा तट पर होते हैं। नासिक का कुंभ गोदावरी के तट पर और अवंतिका (उज्जयिनी) का सिंहस्थ कुंभ शिप्रा के तट पर हर बारहवें वर्ष पर होता है। प्रयागराज का महाकुंभ तो समूचे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक, आध्यात्मिक समागम है। आस्था और पूजन की चरम मान्यता के बावजूद यह स्पष्ट है कि जो गौरव नर्मदा जी को प्राप्त है वह अन्य पवित्र सरिताओं के हिस्से में नहीं आया है। नर्मदा एकमात्र ऐसी नदी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। वर्तमान युग में वाहनों से परिक्रमा की जाने लगी है। पैदल परिक्रमा में भी नर्मदा में विलीन होने वाली सहायक नदियों को लाँघ लिया जाता है। इससे 7-8 महीने में परिक्रमा पूरी हो जाती है। जबकि नर्मदा परिक्रमा का मूल स्वरूप मार्कण्डेय परंपरा में मिलता है। इस परिक्रमा में तीन वर्ष, तीन माह , तीन दिन लगते हैं। जिन-जिन सहायक नदियों का नर्मदा से संगम होता है, उन्हें लाँघा नहीं जाता बल्कि उनकी भी परिक्रमा करते हुए परकम्मावासी नर्मदा परिक्रमा को पूर्णता प्रदान करते हैं। यह भक्ति और शक्ति का अनूठा उपक्रम है जो आदिकाल से निभाया जा रहा है। नर्मदा परिक्रमा की एक और विशेषता है। परकम्मावासी बीच में जहाँ कहीं भी विश्राम करते हैं वहाँ उनके लिए ठहरने और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था होती है। कोई पीठ पर सामान लादकर नहीं चलता। जहाँ धर्मशाला आदि नहीं होतीं वहाँ गाँव वाले अपने घरों की दहलान में या गाँव के मंदिर में ठहरने और भोजन की व्यवस्था अपना कर्तव्य मानकर करते हैं। ठहरने के ठिकानों पर भजन कीर्तन से भक्ति रस की सरिता बहती है। यह भारतीय संस्कृति में विद्यमान सामुदायिक जीवन प्रणाली अन्यतम उदाहरण है जो अन्य किसी भी संस्कृति में दुर्लभ है।

नर्मदा को मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माना जाता है। नर्मदा के आँचल में आरोग्य और स्वास्थ्य प्रदान करने वाली जड़ी बूटियों का दुर्लभ खजाना है। नर्मदा जल के कारण ही नर्मदा घाटी की भूमि उर्वर है। नर्मदा मानव, पशु-पक्षियों, खेती-किसानी, वन, कल कारखानों की अपरिहार्य आवश्यकता की पूर्ति करती है। खनिज पदार्थों का बाहुल्य भी नर्मदा के वनों और पर्वतों में विद्यमान है। किसी समाज के जीवन यापन और विकास के लिए जल की उपलब्धता बुनियादी शर्त है। यही जीवन का आधार भी है। भारत में आदिकाल से यह लोकमान्यता व्यवहार में है कि जल ही जीवन है। यह हमारे लिए नारा नहीं अपितु जीवन मंत्र है।

ऐसी लोकहितैषी, जीवनदायिनी, समृद्धिप्रदायिनी नर्मदा मैय्या को हम बारम्बार प्रणाम करते है।

(लेखक पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे है।)

प्रकृतिजन्य संदेशों से परिपूर्ण ऋतुराज बसंत

डॉ. श्रीकांत द्विवेदी

' बसंत ' शब्द अपने आप में अनेक अर्थों को समेटे हुए है। इस ऋतु के आगमन के साथ ही आम्रवृक्ष की डालियां मंजरी से भरने लग जाती हैं। खेतों में पीली सरसों जिन पर पीले फूल तथा गेहूं की सुनहरी बालियां लहलहाती नजर आती हैं । मादकता , आनंद और मस्ती से सराबोर इस मौसम का स्वागत कोयल अपने मधुर स्वर से करती है । इसीलिए इस ऋतु को बसंतोत्सव नाम भी दिया गया है । भारतीय साहित्यकारों ने तो इस मौसम को बसंतराज की उपमा प्रदान की है । जबकि प्राचीन भारतीय शास्त्रों में बसंतोत्सव को ही होलिका उत्सव की शुरुआत भी माना गया है । कुल मिलाकर बसंतोत्सव का आशय प्रकृति का उत्सव ही है । इस ऋतु में मौसम का मिजाज बहुत सुखद अनुभूति , उमंग , उल्लास तथा स्फूर्ति प्रदान करने वाला होता है । मौसम के ऐसे मिजाज को सकारात्मक सोच के साथ हम अपने भीतर धारण करें , एक-दूसरे के साथ बसंत की तरह ही उत्साह , प्रेम तथा उमंग के साथ व्यवहार करें ।

वैसे देखा जाए तो बसंत शब्द वसन शब्द का ही अपभ्रंश भी हो सकता है । वसन का अर्थ होता है वस्त्र । इधर वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही पेड़-पौधों से वस्त्र रूपी

पुराने पत्ते झरने लग जाते हैं । यानी पुराने वसन का अंत होना ही बसंत कहलाया होगा । इस तरह से बसंत के आते ही पतझर का मौसम हमें यह संदेश भी देता है कि परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है । पुराने पत्तों का झरना और उनकी जगह नई कोंपलों का फूटना यह बताता है कि पुरानों को स्वैच्छा से नयों के लिए जगह खाली कर देना चाहिए । अन्यथा नवागत किसी दिन पुराने को हटाकर अपनी जगह बना लेंगे ।

अब जरा बसंत ऋतु को दूसरे संदर्भ में देखे तो पतझर का यह मौसम तप और त्याग का प्रतीक भी है । कारण जीवन में दुःख के बाद ही सुख की अनुभूति होती है । पतझर यानी विपत्तियां । विपत्तियों में अपना धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखें । जीवन में नई कोंपलों का फूटना तय है ।

बसंत पंचमी पर भोज महोत्सव की तैयारियां पूरी, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम !

प्राकृतिक संदेश के अलावा भारतीय संस्कृति में बसंत पंचमी का पावन पर्व ज्ञानदायिनी मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस होने से देवी सरस्वती की विशेष पूजा - अर्चना के लिए भी मान्य किया गया है । वहीं भारतीय ज्योतिष परम्परा में बसंत पंचमी को अक्षय तृतीया जैसा शुभ मुहूर्त का दिन भी माना गया है । इस तिथि पर मां सरस्वती की पूजा - आराधना करने से अक्षय ज्ञान की प्राप्ति होती है । ज्ञान की देवी होने के साथ-साथ सरस्वती को कला और संगीत की देवी होने का सम्मान प्राप्त है । इस आधार पर मानना होगा कि हमारे ऋषि - मनीषियों ने बच्चों के विद्यारम्भ के लिए बसंत पंचमी की तिथि को सबसे शुभ मुहूर्त माना है ।

विद्यारम्भ संस्कार के लिए भी विशेष मुहूर्त इसलिए निर्धारित किए गए हैं , क्योंकि मानव जीवन की सार्थकता अच्छी शिक्षा पर ही निर्भर करती है । स्वामी विवेकानंदजी के शब्दों में अच्छी शिक्षा का मतलब जीवन निर्माण और मनुष्य निर्माण वाली शिक्षा से हैं । ऐसे में बालक के अक्षर ज्ञान की शुरुआत शुभ घड़ी में होनी चाहिए । इस हेतु अभिभावकों को ध्यान देना होगा । विशेष रूप से ब्राह्मण परिवार के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा ऐसी होनी चाहिए , जिससे कि बालक में शिक्षा पूर्ण कर लेने पर ऋषि संतान होने का भाव बना रहे । ब्राह्मण समाज को यह जानना जरूरी है कि देवी सरस्वती की साधना एक तरह का आध्यात्मिक उपचार है । इस उपचार से जीवन में सभी तरह की असमर्थता दूर की जा सकती है । ऋग्वेद में भगवती सरस्वती की आराधना में कहा गया है ' प्रणों देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती धीनामणित्रयवतु ।' अर्थात् हे मां परम चेतना , आप हमारी बुद्धि , प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका बन हमें दिशा प्रदान करें । बसंत ऋतु की उक्त तमाम विशेषताओं और प्रभावों को प्रकृतिजन्य सौगात तथा आध्यात्मिकता के परिप्रेक्ष्य में ग्रहण करते हुए रीतिकाल के कवि पदमाकर ने अपने काव्य में बसंत को ऋतुराज होने का गौरव इस तरह से प्रदान किया है -

÷ कूलन में , केलिन में , कछारन में , कुंजन में ,
क्यारिन में कलिन में , कलीन किलकंत है ।

कहै पदमाकर परागन में पौनहू में , पानन में , पिक में
पलासन पगंत है ।

द्वार में , दिसान में , दुनी में , देस - देसन में ,
देखो दीप - दीपन में दीपत दिगंत है ।

बिथिन में , ब्रज में , नबेलिन में , बेलिन में
बनन में , बागन में बगरो बसंत ।

- डॉ. श्रीकांत द्विवेदी,धार

कैंसर जोखिमों को परास्त करने में योग सहायक

विश्व कैंसर दिवस

ललित गर्ग

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व कैंसर दिवस दुनिया के हर कोने में कैंसर की रोकथाम, कैंसर के लक्षणों की पहचान और इलाज के प्रति जागरूकता लाने एक महत्वपूर्ण दिन है, इस दिवस को मनाने की शुरुआत साल 2000 में पेरिस में हुई थी। 4 फरवरी 2000 को पेरिस में 'वर्ल्ड समिट अगेंस्ट कैंसर' कार्यक्रम का आयोजन कर इस दिवस को मनाने की शुरुआत हुई। अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ हर साल एक खास थीम पर वर्ल्ड कैंसर डे मनाता है। यह खास थीम लोगों को जागरूक करने और कैंसर के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए बनाई जाती है। साल 2025 में वर्ल्ड कैंसर डे की थीम 'यूनाइटेड बाय यूनीक' रखी गई है। इस थीम को रखने का उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि कैंसर न सिर्फ इलाज से बल्कि लोगों के आत्मविश्वास एवं मनोबल से जीतने वाली एक लड़ाई है, जिसे हमें जड़ से खत्म करना है। 'मैं हूँ और मैं करूँगा' जो व्यक्तियों से कैंसर के खिलाफ लड़ाई के लिए व्यक्तिगत प्रतिबद्धता बनाने का आह्वान करता है।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। लक्षणों की समय पर पहचान और इलाज प्राप्त करके कैंसर से मृत्यु के जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हर साल लाखों लोग कैंसर से मरते हैं, जो विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण है। साल 2022 में दुनिया भर में कैंसर से करीब 9.7 मिलियन लोगों की मौत हुई थी, साल 2040 तक, कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 15.3 मिलियन होने का अनुमान है।

दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। कैंसर से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है कि हमें इस बीमारी के बारे में सब कुछ पता हो, इसे कैसे रोका जाए और इसको कैसे डायग्नोस किया जाए। दुनियाभर में विभिन्न आय, आयु, लिंग, जातीयता आदि के समूहों की आबादी द्वारा सामना की जाने वाली कैंसर देखभाल सेवाओं तक पहुंच में अंतर को खत्म करना अपेक्षित है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा, मनोबल एवं हौसला हो तो कैंसर को भी पस्त किया जा सकता है और ऐसा होते हुए देखा भी जा रहा है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं। अक्सर वही लोग खतरे में पड़ते हैं, जो खुद को खतरे में महफूज समझते हैं या खतरे को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

हाल के वर्षों में हासिल किए गए महत्वपूर्ण कैंसर अनुसंधान मील के पत्थर को साबित हुए हैं और क्षितिज पर आशाजनक नैदानिक विकास का पता लगाया है। पिछले कुछ सालों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है एवं इस बीमारी से लड़ने एवं इसे परास्त करने में सफलता पाई है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टार्गेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं।

कैंसर ठीक होने के सवाल में एक और बात बताना जरूरी हो जाता है कि कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें है, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर योग, ध्यान एवं साधना के माध्यम से कैंसर के खतरे से बचाव किया जा सकता है। कैंसर विश्वभर में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

कैंसर को नियंत्रित करने में भारतीय योग, आयुर्वेद एवं अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता।

कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालांकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। रोजाना 30 मिनट तक योग करके कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है। विश्व कैंसर दिवस कैंसर के वैश्विक बोझ पर चिंतन करने के साथ-साथ जांच योगमय संतुलित जीवन और जीवनरक्षक उपचार में हुई प्रगति का जश्न मनाने का भी दिन है। पूरे समुदाय को जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, सामूहिक और सरकारी कार्रवाई को प्रेरित करता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बसंत पंचमी पर भोज महोत्सव की तैयारियां पूरी, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

धार यहां की ऐतिहासिक भोजशाला में कल सोमवार 3 फरवरी से बसंत पंचमी पर चार दिवसीय 'भोज महोत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। इसे लेकर भोज महोत्सव समिति ने व्यापक तैयारियां की है। सोमवार सुबह सूर्योदय के साथ ही महोत्सव की शुरुआत होगी। आज भोजशाला में दिनभर आकर्षक सजावट की गई। बसंत उत्सव को शांति और सौहार्द के साथ संपन्न कराने को लेकर धार जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने भी माकूल व्यवस्था की।

जिला प्रशासन के अनेक अधिकारियों की भी भोजशाला सहित शहर में तैनाती की गई। पुलिस ने धार जिले के अलावा जिले से बाहर का पुलिस बल भी तैनात किया है। भोजशाला परिसर और उसके आसपास लगभग 750 पुलिस बल तैनात रहेगा। इनमें डीएसपी, थाना प्रभारी स्तर के अधिकारी सहित पुलिस अधिकारियों और जवान तैनात रहेंगे। इसके अलावा बमनिरोधक दस्ता एवं डॉग स्क्वायड भी लगाया गया है। भोजशाला के अंदर और आसपास के क्षेत्र में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। भोजशाला के अंदर और पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरों से भी लैस किया गया है।

पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टिया लगातार शहर मे भ्रमण करेंगी। इसे लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ इंद्रजीत बकलवार ने पुलिस अधिकारियों के साथ भोजशाला का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए। 3 फरवरी से राजा भोज की माने जाने वाली प्राचीन भोजशाला में परंपरा अनुसार चार दिवसीय भोज महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें धर्मसभा, मातृशक्ति सम्मेलन, भजन संध्या, कवि सम्मेलन और कन्या पूजन का भी आयोजन होगा। साथ ही 3 फरवरी बसंत पंचमी को सूर्योदय से सूर्यास्त तक भोजशाला मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु माँ वाग्देवी के दर्शन पूजन कर हवन में भी भाग लेंगे। इसके साथ ही दोपहर में 11 बजे से उदाजीराव चौराहा लालबाग से माँ वाग्देवी के तेल चित्र के साथ एक भव्य शोभायात्रा भी निकाली जाएगी जो भोजशाला पहुंचकर समाप्त होगी। बसंत पंचमी आयोजन में महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी भी भाग लेकर धर्म सभा को संबोधित करेंगे। पूरे आयोजन को लेकर पुलिस द्वारा भी व्यापक इंतजाम किए गए है।

बिना वीआईपी प्रोटोकॉल के मप्र सरकार के मंत्री राकेश शुक्ला ने सपरिवार लगाई महाकुंभ में डुबकी.....

प्रयागराज/भोपाल। बिना वीआईपी प्रोटोकॉल के मध्यप्रदेश सरकार के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने रविवार को सपरिवार प्रयागराज के संगम में डुबकी लगाई। मंत्री राकेश शुक्ला का महाकुंभ में परिवार के साथ डुबकी लेने का कार्यक्रम आम जनता की तरह ही रहा। उन्होंने अपने और अपने परिवार के लिए कोई भी वीआईपी सुविधा नहीं ली। मंत्री राकेश शुक्ला ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि धार्मिक दृष्टि से कुंभ में स्नान करना अत्यधिक फलदायी माना जाता है। मान्यता यह भी है कि कुंभ स्नान से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। शरीर की शुद्धि के लिए स्नान का महत्व है। शास्त्रों में चार प्रकार के स्नान वर्णित है। भस्म स्नान ,जल स्नान, मंत्र स्नान एवं गोरज स्नान।

उन्होंने कहा कि करीब 144 साल बाद सूर्य और बृहस्पति के गोचर से ऐसा अद्भुत संयोग देखने को मिला है। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन हुआ है। इसलिए हर व्यक्ति को एक बार महाकुंभ तो जरूर आना चाहिए।

जबेरा थाना पुलिस ने 10 किलो गांजा एवं एक बोलेरो वाहन सहित दो आरोपी गिरफ्तार किए

दमोह जिले की जबेरा थाना पुलिस ने को अवैध मादक पदार्थ पर कार्यवाही बोलेरो चार पहिया वाहन सहित 10.400 किग्रा गांजा ज़ब्त दिनांक 01/02/2024 को मुखबिर से प्राप्त सूचना पर श्रुतकीर्ति सोमवंशी पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देश पर थाना प्रभारी जबेरा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा सूचना की तस्दीक उपरांत अभियुक्त 1. दिनेश पिता रमेश प्रसाद साहू उम्र 33 वर्ष निवासी वार्ड क्र.01 थाना जबेरा 2. नीतेश पिता मुन्ना लाल अहिरवार उम्र 28 वर्ष निवासी चौधरी मोहल्ला थाना जबेरा द्वारा बोलेरो टीयूवी क्र. एम. पी. 28 सी.ए. 3640 से 10 किलो 400 ग्राम अवैध गांजा परिवहन करते पाया गया. इस दौरान दोनों अभियुक्तों के कब्जे से दो मोबाइल जब्त कर 08/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट की कार्यवाही की गई है। दोनों अभियुक्तो को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर 01 दिवस का रिमांड लिया गया है। दोनों अभियुक्तों से लगभग 7 लाख रुपए की मशरूका जब्त की गई।

बजट ऐतिहासिक और आम जनता को खुश करने वाला

औबेदुल्लागंज(संवाददाता)- भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ भूपेंद्र नागर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट ऐतिहासिक और आम जनता को खुश करने वाला बजट है, साथ ही विकसित भारत के अटल संकल्प की आकाँक्षाओ को पूरा करने वाला बजट है, इस बजट में गरीब, अन्नदाता, नारी शक्ति और नौजवानों को सशक्त और सक्षम बनाने का के लिए प्रावधान किए गए हैं, केंद्र सरकार का नया बजट संपूर्ण भारतवर्ष हर क्षेत्र, हर प्रदेश, हर समाज, हर वर्ग के विकास को सुनिश्चित करने वाला बजट है ! बजट में मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए 12 लाख तक की आय को टैक्स फ्री किया गया है, नए बजट में किसानों के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य योजना की घोषणा की गई है जो की एक ऐतिहासिक निर्णय है ! सबसे बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी युवाओं को आगे बढ़ाने की बात करते हैं और इस बजट में भी हमेशा की तरह ख्याल रखा गया है !

मप्र पुलिस भर्ती: 7500 सिपाही और 500 ऑफिस स्टाफ की भर्ती जल्द

मध्यप्रदेश में 8500 पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया को मंजूरी मिल गई है। इसमें 7500 सिपाही, 500 सब-इंस्पेक्टर , और 500 ऑफिस स्टाफ के पद शामिल हैं।

मध्य प्रदेश में पुलिस भर्ती प्रक्रिया का इंतजार खत्म हुआ। सरकार ने 8500 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी है। इसमें 7500 सिपाही , 500 सब-इंस्पेक्टर और 500 ऑफिस स्टाफ मध्यप्रदेश में 8 साल बाद एसआई पदों पर भर्ती होने जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा था, जिसे मंजूरी मिल गई है।

सिपाही के 7500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

प्रदेश में 18,000 सिपाही पद रिक्त हैं। इनमें से 7500 पदों पर भर्ती को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए एक प्रक्रिया पहले से चल रही है।

ऑफिस स्टाफ के 500 पदों पर भी भर्ती

ऑफिस स्टाफ के 500 पद पिछले 8 वर्षों से रिक्त थे। इनमें स्टेनो (स्ह्लद्गठ्ठश्र) और एएसआई (स्ठ्ठ) पद शामिल हैं। 30 जनवरी को शासन ने इन पदों पर भर्ती की अनुमति दी है।

पुलिस विभाग में रिक्त पदों की स्थिति

वर्तमान में मप्र पुलिस के पास 1 लाख पुलिसकर्मी हैं। 25 हजार पद रिक्त हैं। हर साल 500 से 700 कर्मी सेवानिवृत्त होते हैं, जिससे रिक्त पदों की संख्या बढ़ती जा रही है।

भर्ती नियमों में संशोधनडीजीपी का बयान

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि सभी रिक्त पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इससे प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी।

मप्र में पुलिस भर्ती के तहत कितने पदों पर भर्ती होगी?मध्यप्रदेश में 8500 पदों पर पुलिसकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। क्या एसआई पदों पर भी भर्ती होगी?

हां, आठ साल बाद 500 सब-इंस्पेक्टर पदों पर भर्ती प्रक्रिया को मंजूरी मिली है।ऑफिस स्टाफ के लिए कितने पद रिक्त हैं?ऑफिस स्टाफ के लिए 500 पद, जिनमें स्टेनो और एएसआई शामिल हैं, रिक्त हैं।भर्ती प्रक्रिया कब शुरू होगी?गृह विभाग की मंजूरी के बाद जल्द ही भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी।क्या पुलिस भर्ती के नियमों में कोई बदलाव किया गया है? हां, भर्ती नियमों में संशोधन कर अधिकतम उम्र सीमा 38 वर्ष कर दी गई है।

देव श्री जागेश्वर नाथ मंदिर

बांदकपुर में बसंत पंचमी पर उमड़ा भोले के भक्तो का जन सैलाब

दमोह बसंत पंचमी के पावन पर्व पर सुबह से कांवड़ियों की उमड़ जन सैलाब बता दें कि मां नर्मदा नदी का जल भरकर बड़ी संख्या में कावड़िया बांदकपुर भोलेनाथ के यहां पहुंचते है. दमोह सांसद राहुल सिंह भी मौनी अमावस्या पर बरमान घाट से मां नर्मदा जल भरकर जागेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे थे जहा सांसद राहुल सिंह ने संकल्प की अष्टम कांवड़ यात्रा आज प्रातः बसंत पंचमी के पावन अवसर पर देवश्रीजागेश्वरनाथ धाम, बांदकपुर में भगवान भोलेनाथ महादेव जी का जलाभिषेक किया एवं भगवान सत्यनारायण स्वामी जी की कथा श्रवण कर पुण्यलाभ अर्जित कर यात्रा समाप्त की इस अवसर पर सांसद राहुल सिंह ने कहा की माँ नर्मदा जी और भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना है सभी का कल्याण हो,मंगल हो यही हमारी कामना है आपको बातादे की

बसंत पंचमी पर्व पर सुबह से शुरू हुआ यह सिलसिला देर रात तक जारी रहेगा जहा पर भगवान भोलेनाथ के भक्त लाखों श्रद्धालु दर्शन करेगें. यहा सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर व पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी द्वारा कड़े इंतजाम भी किये हैं. जिसमें अति.पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा, एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओपी पथरिया रघु केसरी, निरिक्षक रामआसरे सोनकर,निरीक्षक अमित मिश्रा,थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक दलबीर सिंह मार्को, थाना प्रभारी हिंडोरिया उपनिरीक्षक धर्मेंद्र गुर्जर, थाना प्रभारी कुम्हारी उपनिरीक्षक रोहित द्विवेदी, थाना प्रभारी मगरोन उपनिरीक्षक बृजलाल पटेल,बांदकपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक बी.एस. हजारी सहित पुलिस स्टाफ और मंदिर स्टाफ को सुरक्षा व्यवस्था मंदिर स्टाफ मौजूद को लगाया है

जो गम रूपी जहर खुद पी कर समाज को खुशियां बांटे वह महादेव है-

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)- जीवन में तर्पण से ज्यादा अर्पण की महिमा है जो हमें मिला है उसमें से कुछ अंश परोपकार में समाज हित में लगायें, क्योंकि आपके मरने के बाद इस बात पर चर्चा होती है कि आपने समाज को क्या दिया,,, उक्त विचार पंडित पवन कृष्ण शर्मा, ब्रज धाम कुड़ाना जिला शाजापुर वाले ने ग्राम कारी तलाई में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस में व्यक्त किये,, पंडित शर्मा ने भगवान वामन और राजा बलि का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जिस प्रकार बलि राजा ने सर्वस्व अर्पण कर दिया तो भगवान ने उन्हें सब कुछ दे दिया, और द्वारपाल बन गए, ऐसे ही हम भी भगवान के प्रति समर्पित हो जाए तो एक मां की तरह परमात्मा हमारी रक्षा करता है,, पंडित जी ने उपस्थित जन समुदाय से आवाहन किया कि भगवान ने आपको कुछ दिया है तो समाज के लिए कुछ करें, जिस क्षेत्र में आप हैं उसके माध्यम से समाज के लिए कुछ कर जाए, क्योंकि हमारे मरने के बाद कितनी आंखों में आंसू आते हैं उससे पता चलता है कि हम स्वर्ग में गए कि नर्क में, तस्वीर पर स्वर्गीय लिखने से स्वर्ग नहीं मिलता उसके लिए कर्म करना पड़ता है,, कथा के दौरान धूमधाम से श्री कृष्ण जन्म महोत्सव मनाया गया एवं आज बिरज में होली रे रसीया जेसे भजनों पर श्रोताओं ने खूब नृत्य किया एवं आनंद लिया,, कथा का आयोजन सुमंत्रा देवी की पुण्य स्मृति में मानकराम चौधरी सुपुत्र संतोष चौधरी मनिष चौधरी के द्वारा किया जा रहा है

मरीज का किया गया आधार अपडेशन का कार्य

शहडोल - डाक-सेवा जन -सेवा को धरातल पर लाकर चरितार्थ किया गया। प्रधान डाकघर शहडोल के ग्रामीण डाक सेवक श्री प्रशांत विश्वकर्मा ने सीरियस हार्ट अटैक के मरीज के ईलाज के लिए जरूरी आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आवश्यक आधार में मोबाईल अपडेशन का कार्य जयसिंहनगर से आए मरीज श्री हेतराम पयासी का किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मरीज की स्थिति ऐसी थी कि आधार केंद्र तक नही पहुँच सकता था।

ग्रीन क्लीन बनाने के लिए दो करोड़ से ज्यादा के निर्माण कार्यों की रखी आधारशिला:उमाकांत शर्मा

सिरोंज। शनिवार को क्षेत्र विधायक उमाकांत शर्मा ने नगर को ग्रीन क्लीन बनाने के लिए दो करोड़ से ज्यादा के निर्माण कार्यों की सौगात नगर वासियों को दी। शनिवार को नवीन बस स्टैंड पर नगर नगर पालिका परिषद के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भूमि पूजन किया बस स्टैंड से लेकर पेट्रोल पंप होते हुए नहर तक सड़क के दोनों ओर पानी निकासी के लिए नाले का निर्माण होगा इस पर 1 करोड़ 44 लाख रु की लागत से मंडी बायपास मार्ग पर दोनों तरफ तथा एचडीएफसी बैंक के सामने से ओमप्रकाश साहू तक के घर को जोड़ने वाले नाला निर्माण कार्यों किया जाएगा । यह नाला बन जाने से मंडी बायपास मार्ग सहित वार्ड क्रमांक एक एवं दो के हाजीपुर वाले आदि क्षेत्र में रहने वाले परिवारों की जल निकासी की समस्या हल हो जाएगी।

इसके अलावा उन्होंने वार्ड 16 में में 66 लाख की लागत से हाई स्कूल से होते हुए आरोन रोड को जोड़ने वाली आरसीसी सड़क का भी भूमि किया । यह कार्य विधायक उमाकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना के चतुर्थ चरण के माध्यम मंजूर करवाए हैं कुल दो करोड़ दस लाख के निर्माण कार्यों की सौगात दी गई है।

लक्ष्मीकांत शर्मा के सपने को करेंगे पूरा श्री शर्मा

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने सबसे पहले विकसित भारत के संकल्प को पूर्ण करने वाले बजट प्रस्तुत करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद व्यक्त करते हुए तालियां बजाकर अभिनन्दन किया ओर कहा कि हम शहर के संपूर्ण विकास करने के लिए संकल्पित हैं। जबसे देश ओर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें बनी हैं तबसे प्रत्येक कार्यकर्ता गांव गरीब किसान और समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के कल्याण के लिए प्रयासरत है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में चहुंओर विकास की गंगा बह रही है और यह सब निर्माण कार्य तो अभी केवल झांकी है हम सिरोंज को जिला भी बनाएंगे और रेलवे लाइन को भी स्वीकृत कराएंगे। मोदी जी कहते हैं हमारे नारीशक्ति,युवा शक्ति,किसान और मजदूर के चार मिशन चार बिरादरी हैं इनके कल्याण के लिए हम सदैव काम करते रहेंगे। आज आवास योजना,किसान सम्मान निधि,लाडली बहना योजना,किसान क्रेडिट कार्ड,निःशुल्क राशन वितरण योजना के माध्यम से अगर कोई देश के नागरिकों की सेवा कर रहे हैं द्य

निशुल्क नेत्र शिविर में 219 की हुई जांच, 50 मरीज आपरेशन के लिए चिन्हित, 18 को किया भोपाल रवाना

सांध्य प्रकाश, इटारसी। इटारसी व्यापार महासंगठन द्वारा राष्ट्रीय अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत वाली सांई विलायत राय सेवा समिति के विशेष सहयोग से विराट निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं आपरेशन शिविर का आयोजन रविवार को सिंधी कालोनी स्थित सिंधु भवन में किया गया। इस शिविर में 219 मरीजों के पंजीयन हुए, इनमें 50 मरीज आपरेशन योग्य पाए गए। जिनमे से 18 मरीजों को तो तुरंत ही वाहन द्वारा भोपाल पहुंचा दिया गया। अन्य को बाद में भेजा जाएगा। शिविर के समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष पंकज चौरे,विशिष्ट अतिथि प्रख्यात नेत्र विशेषज्ञ डॉ व्ही के निचलानी,वरिष्ठ भाजपा नेता एवं संरक्षक विश्वनाथ सिंघल,संदेश पुरोहित,चंद्रकांत अग्रवाल के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि इटारसी व्यापार महासंगठन व्यापारिक हितों की रक्षा करने में तो सफल हो ही रहा है,साथ ही,समाज सेवा, मानव सेवा के कई सेवा प्रकल्प भी हर माह कर रहा है जो अन्य संगठनों हेतु प्रेरणाप्रद है। संरक्षक संदेश पुरोहित ने कहा कि व्यापार महासंगठन रचनात्मक रूप से स्थानीय विधायक,नपा अध्यक्ष के विशेष सहयोग व शहर के हजारों व्यापारियों के नैतिक समर्थन से प्रत्येक व्यापारिक समस्या का निराकरण करने में सफल रहा है,चाहे वह दुकानों की किराया वृद्धि रोकने का हो या पुराने बस स्टैंड पर पुनः बसों के हॉल्ट को बहाल करवाना हो। इटारसी व्यापार महा संगठन की पहल पर ही बाजार क्षेत्र हेतु एक बड़ी पार्किंग बस स्टैंड पर भी जल्द बनाई जा रही है। अन्यथा शहर में ऐसे संगठन भी हैं जिनका काम ही विरोध की राजनीति करना,अपनी मनमर्जी से संगठन चलाना है। विश्वनाथ सिंघल ने कहा कि इटारसी व्यापार महासंगठन पूरी तरह शहर के हर ट्रेड के हर व्यापारी की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। डॉ निचलानी ने कहा कि भविष्य में भी हम आपके लिए तत्पर रहेंगे। इसके पूर्व सुबह शिविर का शुभारंभ संरक्षक सतीश सांवरिया के मुख्य आतिथ्य में इटारसी व्यापार महासंगठन के अध्यक्ष मुकेश जैन, संयोजक धर्मदास मिहानी, संरक्षक मोहन मोरवानी, युवा शाखा अध्यक्ष अर्जुन भोला एवं मोहन लाल चेलानी की मौजूदगी में किया गया। इसके बाद नेत्र शिविर प्रारंभ किया गया। शिविर में वाली सांई समिति विलायत सेवा समिति के सौजन्य से एसब्हीआईकेयर एण्ड लेसिक सेंटर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डा व्हीके निचलानी, रेटीना विशेषज्ञ डा खुशबू तोमर, डा विजय दुबे, डा परेश निचलानी एवं उनकी तकनीकि टीम द्वारा मरीजों की आंखो की जांच की गई। शिविर में 219 नेत्र मरीजों के पंजीयन कर जांच की गई। जांच के बाद 50 मरीजों को आपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। इनमें से पहले दिन 18 मरीजों को वाहनों के द्वारा निशुल्क रूप से

भोपाल पहुंचाया गया। यह शिविर दोपहर तीन बजे तक चला। शिविर के समापन पर उपस्थित नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे सहित डॉक्टर्स को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

बढ़ते कदम संस्था का किया सम्मान

कार्यक्रम में बढ़ते कदम संस्था के सदस्यों को सम्मानित किया गया। बता दें कि बढ़ते कदम संस्था समाज के हित के लिए कई बेहतर और पुण्य कार्य कर रही है। किसी भी परिवार के सदस्य के निधन के दौरान उनके घर में भोजन पहुंचाने का कार्य करती आ रही है। इसके अलावा अंतिम संस्कार में जरूरतमंदो की भी उचित मदद करती आ रही है। संस्था के इसी कार्य को देखते हुए इटारसी व्यापार महासंगठन द्वारा सभी 22 सदस्यों को सम्मान प्रतीक प्रदान कर सम्मानित किया गया इस अवसर पर सैकड़ों व्यापारी सदस्य गण उपस्थित थे।

जन औषधि केंद्र मे मिल रही मार्केट से कम कीमत मे दवाइयाँ

शहडोल । जिला चिकित्सालय शहडोल मे संचालित जन औषधि केंद्र मे मरीजों को किफायती दरो पर दवाइयाँ उपलब्ध हो रही है जहाँ दूर दराज से इलाज कराने आये मरीजों को दवाई खर्च के बोझ से राहत मिल रही है, केंद्र मे 100 से अधिक बीमारियों की दवाईया सरलता से उपलब्ध होने से शहर के सभी लोग इसका लाभ ले रहे है । दरअसल प्रधानमंत्री द्वारा 23 अप्रैल 2018 को देश भर मे लागू की गयी पीएम भारतीय जन औषधि परियोजना सामान्य तथा गरीब वर्ग के लोगो को मार्केट रेट से सस्ते दामों मे जेनरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराने के साथ साथ रोजगार भी उपलब्ध करा रही है, इस योजना का शहडोल जिले मे भी अच्छे परिणाम देखने को मिल रहा है योजना से लाभान्वित धनपुरी निवासी हेमंत अग्रहरी बताते है जिला चिकित्सालय मे संचालित जन औषधि केंद्र मे उन्हें नौकरी मिली साथ ही इस केंद्र मे उनके पास 570 प्रकार की दवाइयाँ मार्केट रेट से 70-80त्न कम कीमत पर उपलब्ध है, उनके पास जिला चिकत्सालय के मरीजों सहित जिले भर के लोग अपनी दवाइयों को लेने आते है।

शहडोल ग्रीन सिटी निवासी विनय बोहरा कहते है वह जन औषधि केंद्र खुलने के बाद से लगातार अपनी दवाइयों की खरीदी मार्केट को छोड़ यहाँ से कर रहे है जिससे उनके पैसो मे बचत हो रही है, वह इस योजना की प्रशंसा करते हुए कहते है की इसका संचालन शहर से गांव-गांव तक होना चाहिए जिससे लोगो को इसका लाभ मिल सके ।

वही एक अन्य लाभार्थी शहडोल निवासी सुरेश चतुर्वेदी ने बताया वह स्वयं हाई बीपी के मरीज है और वह लगातार 6 माह से जन औषधि केंद्र मे दवाइयों की खरीदी कर रहे है, दवाईयों मे हो रही बचत को लेकर उन्होंने इस योजना को गरीब के लिए कल्याणकारी होना बताया,वह कहते है उनके रिश्तेदार जो की लिवर की बीमारी से ग्रसित है उन्हें दवाई के लिए मार्केट मे पहले 9000-10000 ? खर्च करने पड़ते थे जब से यह केंद्र खुला उन्हें वही दवाई मात्र 1000-1500 ? मे आसानी से मिल जाती है ।मामले पर सीएमएचओ शहडोल डॉ राजेश मिश्रा ने बताया ने जिला चिकित्सालय परिसर मे रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जन औषधि केंद्र संचालित है इसमें 550 से ज्यादा प्रकार की दवाईया मरीज सहित हर वर्ग के लोगो को मार्केट रेट से 70त्न-80त्न कम दर पर उपलब्ध कराई जा रही है ।

सी एम हेल्प लाइन को बेहतर करने ज्ञापन देंगे सोशल एक्टिविस्ट

जबलपुर। सी एम हेल्प लाइन की पहचान आज प्रदेश में एक बेहतरीन सुविधा के रूप में है।नागरिकों को सिस्टम से अपनी मांग शिकायत दूर करने में काफी मदद मिल जाती है।मगर इधर एक आवेदक ऐसे भी है जो इससे भिन्न राय रखते है।आवेदक पवित्र शर्मा का मानना है कि वे भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा आवाज उठाते रहे है।उन्होंने सहकारिता विभाग मध्य प्रदेश शासन में स्थापना अधीक्षक संजीव गुप्ता के विरुद्ध एस बी आई हाउसिंग सहकारी समिति की जानकारी मांगी जिस पर कभी भी संतुष्टि पूर्ण जवाब उन्हें नहीं मिला।सी एम हेल्प लाइन के अधिकारी इधर उधर के उत्तर दर्ज कर देते है।उन्होंने बताया कि भोपाल स्थित एस बी आई हाउसिंग सहकारी समिति के मामले में विभाग में संयुक्त पंजीयक अभय खरे एवं तात्कालीन पंजीयक सहकारिता आलोक सिंह ने वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक संजीव गुप्ता के मामले में बेहद सख्त रवैया अपनाया था किंतु षडयंत्र पूर्वक यह फाइल कार्यालय से गायब करवा दी गई और मामला ठंडे बस्ते में चला गया।अब वे जब इसकी फाइल की जानकारी मांग रहे है तो उन्हें घुमाया जा रहा है।एक और अन्य मामले में राजस्व विभाग में दर्ज सी एम हेल्प लाइन के विषय में श्री पवित्र शर्मा ने बताया कि फर्जी मीसा बंदियों के प्रमाण पत्र देने के मामले जबलपुर कलेक्टर हरिरंजन राव के कार्यकाल में अशोक सिंघई का मामला हुआ था।अनेक अपात्र लोगों को पैसे देकर मीसा बंदी और ताम्र पत्र प्रशस्ति बेचने का मामला था।यहां तक कि कार्यालय कलेक्टर में कार्यरत महिला लिपिक ने भी अपना प्रमाण पत्र बनवा लिया था।प्राथमिकी भी बरेला थाने में दर्ज हुई थी।इस मामले के तथ्य अनेक बार मांगने पर भी उपलब्ध नहीं कराए गए है।सोशल एक्टिविस्ट पवित्र शर्मा का कहना है जवाबदेह प्रशासन और संवेदनशील मुख्यमंत्री जी को सी एम हेल्पलाइन व्यवस्था की इन कमियों पर ध्यान देना आवश्यक है ।उन्होंने बताया जबलपुर के अधिवक्ताओं और सोशल एक्टिविस्ट के साथ वे इस संबंध में मुख्यमंत्री महोदय को मिलकर ज्ञापन देंगे।सी एम हेल्प लाइन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए व्यवस्था सुधार समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय कलेक्टर जबलपुर संयुक्त आयुक्त सहकारिता जबलपुर को पत्र भी दिया जा रहा है।

ज़ीरोबी ने भारत में वॉटर सॉफ़्टनिंग सॉल्यूशंस में अपनी लीडरशिप को किया और भी मजबूत

मुंबई- भारत की प्रसिद्ध वॉटर प्यूरीफिकेशन और सॉफ़्टनिंग सॉल्यूशंस ब्रांड, ज़ीरोबी, देश में हार्ड वॉटर की समस्या का समाधान करने में लगातार नए मानक स्थापित कर रहा है। इनोवेशन और क्वालिटी के लिए मशहूर, ज़ीरोबी लाखों घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का भरोसेमंद विकल्प बन चुका है। ज़ीरोबी ने हाल ही में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है - इसके वॉटर सॉफ़्टनर्स अब तक 3 लाख से ज़्यादा घरों तक पहुँच चुके हैं। यह उपलब्धि ज़ीरोबी के उस वादे को मजबूत करती है, जिसमें यह लोगों को हार्ड वॉटर की समस्याओं से निजात दिलाने और उनकी लाइफस्टाइल को बेहतर बनाने की बात करता है। भारत के कई हिस्सों में हार्ड वॉटर, जिसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा ज़्यादा होती है, एक बड़ी समस्या है। इसके कारणत्वचा शुष्क हो जाती है, बालों को नुकसान पहुँचता है और बाथ फिटिंग्स, घरेलू उपकरणों और पाइपलाइन में खराबी आ जाती है। वॉटर सॉफ़्टनिंग टेक्नोलॉजी में मार्केट लीडर होने के नाते, ज़ीरोबी का ऑटोमैटिक वॉटर सॉफ़्टनर्स का रेंज इन सभी समस्याओं का हल करता है। साथ ही, यह सेफ्टी, एनर्जी एफिशिएंसी और उपयोग में आसानी को भी सुनिश्चित करता है। ज़ीरोबी के वॉटर सॉफ़्टनर्स पेटेंटेड तकनीक के साथ फूड-ग्रेड रेज़िन का उपयोग करते हैं, जो इन्हें पूरी तरह सेफ और हर रोज़ इस्तेमाल के लिए परफेक्ट बनाते हैं। कंपनी के सॉल्यूशंस हर ज़रूरत को पूरा करते हैं—चाहे वह छोटे अपार्टमेंट्स के लिए हो या बड़ी कम्युनिटी के लिए वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स। ज़ीरोबी का एडवांस ऋष्ठ डिपार्टमेंट लगातार नई टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है, ताकि लोगों को बेस्ट प्रोडक्ट्स मिल सकें।

सैमसंग गैलेक्सीस्25 सीरीज़ में हिंदी का समर्थन, जेमिनी लाइव का भारत में खास फोकस

सैमसंग की गैलेक्सी स्25 सीरीज़ नैचुरल लैंग्वेज अंडरस्टैंडिंग के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता है, जिससे रोजमर्रा के काम पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गए हैं। अब उपभोक्ता साधारण बातचीत की तरह सवाल पूछ सकते हैं और सैमसंग गैलरी में कोई खास फोटो ढूंढ सकते हैं या फिर सेटिंग्स में जाकर डिस्प्ले फ़ॉन्ट का आकार बदल सकते हैं। इसके अलावा, वे गूगल जेमिनी (त्नशश्द्यद्ग त्नद्गद्बठ्ठद्ब)को एक्टिव कर सकते हैं और साइड बटन दबाकर सैमसंग व गूगल ऐप्स के साथ-साथ स्?पोटिफाई (स्श्चश्ल्लह्द्बद्ध4)जैसे थर्ड-पार्टी ऐप्स का भी सहज इस्तेमाल कर सकते हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रेसिडेंट और एमएक्स बिजनेस के प्रमुख टीएम रोह ने बताया कि भारत में गैलेक्सी स्25 के उपभोक्ताओं के लिए गूगल जेमिनी लाइव शुरुआत से ही हिंदी में उपलब्ध होगा। यह सैमसंग के लिए भारतीय बाजार के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि गूगल जेमिनी लाइव कोरियाई, अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं में लॉन्च किया जाएगा। गैलेक्सी स्25 के साथ शुरुआत में इन तीन भाषाओं में यह सुविधा दी जा रही है और भविष्य में इसे अन्य भाषाओं में भी विस्तारित किया जाएगा, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को एक बेहतर अनुभव मिलेगा। गूगल जेमिनी के साथ उपयोगकर्ता अपने गैलेक्सी स्25 स्मार्टफोन पर सैमसंग कैलेंडर, नोट्स, रिमाइंडर और घड़ी जैसी सैमसंग ऐप्स के अंदर भी कई कार्य कर सकते हैं। यह नया फीचर उपभोक्ताओं के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल को पहले से अधिक सुविधाजनक और उन्नत बना देगा।

भोपाल में करियर परामर्श और छात्र कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए आईसी 3 2025 क्षेत्रीय फोरम का आयोजन

भोपाल,- भोपाल में आयोजित 2025 ढ्ढष्ट3 क्षेत्रीय फोरम में करियर परामर्श और छात्र कल्याण के महत्व पर चर्चा करने के लिए मध्य प्रदेश भर के प्रमुख संस्थानों के शिक्षकों, काउंसलरऔर प्रतिनिधियों को एक साथ लाया गया। बिलबोंग हाई इंटरनेशनल स्कूल में संपन्न हुए फोरम ने गुणवत्तापूर्ण करियर परामर्श संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए छात्रों और शिक्षकों के सामने आने वाली जमीनी चुनौतियों को दूर करने के लिए संवाद को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। भोपाल में आयोजित ढ्ढष्ट3 क्षेत्रीय फोरम में 130 से अधिक पंजीकरण हुए, यह बात मध्य प्रदेश के शिक्षा समुदाय की मजबूत वचनबद्धता को दर्शाती है। 40 से अधिक संस्थानों ने इसमें हिस्सा लिया। फोरम ने समग्र करियर परामर्श प्रथाओं के माध्यम से छात्रों में मिलने वाले परिणामों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। ÷काउंसेलिंग एज़ ए कल्चर÷ के तहत हुई चर्चाओं ने दैनिक शैक्षिक अनुभव में करियर परामर्श को एकीकृत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, ताकि छात्रों को अकादमिक और भावनात्मक रूप से सहायता प्रदान की जाएं।

पड़ोसी देशों के बाद अब यूरोप पर टेढ़ी नजर, ट्रम्प भारी भरकम टैरिफ लगाने की तैयारी में

कनाडा, चीन और मैक्सिको के बाद अब यूरोप पर टैरिफ लगाने की तैयारी में ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ (श्व) पर जल्द ही नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे पहले, उन्होंने मैक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत और चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय संघ ने अमेरिका के साथ व्यापार में अनुचित लाभ उठाया है और उन्होंने इस पर ÷जल्द ही÷ टैरिफ लगाने की योजना बनाई है। यूरोपीय संघ को दी नई चेतावनी ट्रंप ने कहा, ÷मैं निश्चित रूप से यूरोपीय संघ पर नए टैरिफ लगाऊंगा। वे वास्तव में हमसे अनुचित लाभ उठा रहे हैं।÷ हालांकि उन्होंने कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं दी, लेकिन संकेत दिया कि यह जल्द ही लागू किया जाएगा।

इससे पहले शुक्रवार को भी उन्होंने कहा था कि श्व ने अमेरिका के साथ ÷बहुत खराब व्यवहार÷ किया है।

यूरोपीय संघ की प्रतिक्रिया

ट्रंप की धमकी के बाद, यूरोपीय संघ ने स्पष्ट किया कि अगर अमेरिका इस तरह के टैरिफ लागू करता है, तो श्व इसका कड़ा जवाब देगा। श्व के प्रवक्ता ने रविवार को कहा, ÷हम किसी भी ऐसे देश के खिलाफ कड़ा रुख अपनाएंगे जो अनुचित या मनमाने ढंग से हमारे उत्पादों पर टैरिफ लगाता है।÷

अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर असर और ट्रंप की रणनीति

विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यापार युद्ध अमेरिकी आर्थिक विकास को धीमा कर सकता है और कीमतों में वृद्धि कर सकता है। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि इससे कुछ कठिनाइयाँ हो सकती हैं, लेकिन अमेरिका की सुरक्षा और हितों के लिए यह जरूरी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %ट्रुथ सोशल% पर लिखा, ÷क्या इससे कुछ तकलीफ होगी? हां, शायद (और शायद नहीं भी!), लेकिन हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे, और यह कीमत चुकाने लायक होगी।÷

एलन मस्क ने भी दी प्रतिक्रिया

ट्रंप के करीबी माने जाने वाले दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने भी यूरोपीय राजनीति में दखल दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %ङ्ग% पर लिखा, ÷यूरोप के लोगों- स्श्व्न मूवमेंट से जुड़ें! यूरोप को फिर से महान बनाएं!÷ यह संदेश ट्रंप के प्रसिद्ध नारे ÷स्ड्डद्मद्ग द्रद्वह्लद्बष्ड्ड त्नह्म्द्गड्डह्ल ह्लद्दड्डद्बठ्ठ÷ की तर्ज पर था।

अन्य देशों पर भी प्रतिबंध की चेतावनी

रविवार को ही ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको के नेताओं के साथ बातचीत करने की बात कही, जिन पर पहले ही 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका पर भी आरोप लगाए कि वहां ÷भूमि हड़पने÷ की घटनाएं हो रही हैं और ÷कुछ वर्गों के लोगों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है।÷

उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को दी जाने वाली सभी वित्तीय सहायता रोकने की घोषणा की।

चीन की प्रतिक्रिया

जहां कनाडा और मैक्सिको ने ट्रंप के फैसले पर तुरंत जवाबी कदम उठाने का ऐलान किया, वहीं चीन ने कहा कि वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन (ड्ढञ्जह्र) में चुनौती देगा। अमेरिका और अन्य देशों के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच, ट्रंप की इस घोषणा से वैश्विक व्यापार पर गहरा असर पड़ने की संभावना है।

मप्र में नई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर नीति से 37 हजार नौकरियां मिलेंगी

मध्यप्रदेश में नई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर नीति से 37 हजार नौकरियां मिलेंगी। माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न, और वॉलमार्ट जैसी कंपनियों के सहयोग से ढ्ढञ्ज सेक्टर में नई तेजी आएगी।

मध्यप्रदेश में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नई ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर नीति के तहत, 37 हजार से अधिक नौकरियां देने की योजना बनाई गई है। अमेज़न माइक्रोसॉफ्ट , और वॉलमार्ट जैसी कंपनियां राज्य में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। इन कंपनियों के साथ सरकार लगातार संपर्क में है। उन्हें 30 करोड़ तक की सब्सिडी दी जाएगी।

इस नीति के तहत, एमपी में अगले एक साल में 50 से अधिक जीसीसी खोले जाएंगे। यह नीति भोपाल, इंदौर और ग्वालियर जैसे शहरों में ढ्ढञ्ज सेक्टर को बढ़ावा देगी।

मध्यप्रदेश में आईटी सेक्टर तेजी से विकसित हो रहा है। यहां हर साल 50 हजार से अधिक इंजीनियर कॉलेजों से पास होते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के युवाओं को यहीं रोजगार मिले और उन्हें बाहर न जाना पड़े।

जीसीसी नीति के तहत पूंजी निवेश पर कंपनियों को 40त्न सब्सिडी दी जाएगी। लेवल वन जीसीसी में 15 करोड़ का निवेश और 100 लोगों को रोजगार अनिवार्य है। वहीं, एडवांस्ड जीसीसी में 50 करोड़ का निवेश और 250 से अधिक लोगों को नौकरी देनी होगी।

आईटी सेक्टर से जुड़े पेशेवरों को जीसीसी में आईटी सेक्टर के मुकाबले 20त्न अधिक वेतन मिलेगा। साथ ही, क्लाउड , आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों में विशेषज्ञता विकसित की जाएगी।

शुभ मुहूर्त में भाजपा जिला अध्यक्ष ने लिया पदभार

बैतूल। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शुभ मुहूर्त में भाजपा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में रविवार सुबह 11 बजे मां सरस्वती, भगवान गणेश का विधि विधान से पूजन कर सर्व समाज के कल्याण की प्रार्थना करते हुए पदभार ग्रहण किया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अरूण श्रीवास्तव, भोलू खंडेलवाल, सतीश पाठा, राजेश आहूजा, कमलेश राठौर, जिला मंत्री अतीत पवार, सह कोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैद्य, अनूप वर्मा , पवन वर्मा, पार्षद पूजा पंवार, विजय पानकर, सतीश महाते, बिरजू पारखे, कांति पंवार, लक्ष्मीनारायण पंवार, पवन राठौर, नरेन्द्र विजयकर, अनिल खंडेलवार, सुनिल पंवार सहित बडी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

परशुराम कल्याण बोर्ड ब्राह्मणों के माध्यम से सनातन की परंपरा को समाज में व्याप्त करने का काम करेगा: पं. विष्णु राजोरिया

रतलाम । गुरुओं ने, ऋषि-मुनियों ने जो मार्ग प्रशस्त किया उसका अनुकरण करने का दायित्व सबसे पहले ब्राह्मण को है। परशुराम कल्याण बोर्ड ब्राह्मणों के माध्यम से सनातन की परंपरा को समाज में व्याप्त करने का प्रयत्न करेगा। सभी सनातनी एक हैं, जातियों का जन्म कालांतर में हुआ। पहले कोई जाति होती नहीं थी। वर्ण व्यवस्था जन्म से लागू नहीं थी, बल्कि कर्म से है। यह देश, समाज और परिवार को चलाने की एक व्यवस्था भर थी। इसलिए सभी को उचित सम्मान मिलेगा और यह दायित्व ब्राह्मण निभाएंगे।

यह बात मप्र परशुराम कल्याण बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष पं. विष्णु राजोरिया ने कही। वे परशुराम कल्याण बोर्ड की रतलाम इकाई द्वारा डॉ. कैलासनाथ काटजू विधि महाविद्यालय में आयोजित वसंतोत्सव 2025 में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे। अध्यक्षता पद्मश्री डॉ. लीला जोशी ने की। सनाढ्य ब्राह्मण समाज के श्याम उपाध्याय, परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला अध्यक्ष अनुराग लोखंडे के साथ डॉ. अनुराधा गोखले, डॉ. सुलोचना शर्मा एवं डॉ. स्नेहा पंडित भी मंचासीन रहीं।

पंडित राजोरिया ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि परशुराम कल्याण बोर्ड ने यह निश्चित किया है कि प्रत्येक पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए लेकिन उसके महत्वपूर्ण तथ्यों पर भी विशद व्याख्या हो। आप प्रत्येक पर्व घर में तो मनाएं ही, सामूहिक रूप से एकत्र होकर भी मनाएं।

सनातन के बिना भारतवर्ष की कल्पना संभव नहींपं. राजोरिया ने कहा कि सनातन बिना भारतवर्ष की कल्पना संभव नहीं है। हमारा राष्ट्र सनातन राष्ट्र है। अखंड भारतवर्ष सृष्टि की उत्पत्ति के साथ ही सनातनमय थी। जैसे-जैसे सनातन छूटता गया, लोग बिखरते गए। सारे अवतार इसी भूमि पर हुए क्योंकि यह अत्यंत पावन भूमि है। आदि शंकराचार्य जी ने चारों धामों को स्थापित करने का जो काम किया वह भारतवर्ष कभी विस्मृत नहीं कर सकता। पं. राजोरिया ने जोर देते हुए कहा कि ब्राह्मण की मौजूदा दशा इसलिए है क्योंकि उन्होंने अपने मूल कर्तव्यों से विमुख होकर आचरण संहिता का पालन नहीं किया। भारत अनेक वर्ष तक ऐसी अवस्था में रहा जिससे ब्राह्मणों की आचरण संहिता बदली, ब्राह्मणोचित कार्य भी कठिनाई से हो पाए।

प्रदेश अध्यक्ष पं. राजोरिया ने कहा कि नारी शक्ति, ब्राह्मणों, वेदाचार्यों, साधु-संतों और माता-पिता के सम्मान की सनातन परंपरा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि सभी वेदपाठी बनें, लेकिन ब्राह्मणों को कम से कम एक संतान को वेदपाठी अवश्य बनाएं, भले ही वे कर्मकांड न करें।

आतिशबाजियां चलाकर व दर्जनों केक काटकर, साफा बांधकर मना नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा का जन्मदिन

आष्टा। समूचे आष्टा नगर के ऊर्जावान, सरलहृदयमना, जनप्रिय नेता नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा का जन्मदिन उनके स्नेहीजनों, आशीर्वाददाताओं, जनप्रतिनिधिगणों व सामाजिक संगठनों के सदस्यों तथा भाजपा के नेतागणों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनके निज निवास स्थित कार्यालय पर पहुंचकर धूमधाम, आतिशबाजियों के गूंज के साथ मनाया। प्रातःकालीन नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने अपने जन्मदिन की शुरूआत माताश्री के चरणवंदन कर प्रारंभ की, तत्पश्चात् अंजनी नगर व खेड़ापति स्थित श्रीराम दरबार एवं वीर हनुमान जी के दर्शन किए। तत्पश्चात् निज कार्यालय पर अपने स्नेहीजनों, आशीर्वाददाताओं की शुभकामनाएं व बधाई स्वीकार की। सुभाष नगर स्थित कन्या छात्रावास पर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर के मुख्य आतिथ्य में जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें छात्रावास की नन्हीं-नन्हीं कन्याओं को शैक्षणिक सामग्री का वितरण व उन्हें स्वल्पाहार कराया। इसी प्रकार सुभाष ग्राउंड पर खिलाड़ियों द्वारा केक काटकर जन्मदिन की बधाई दी गई। साथ ही विधायक गोपालसिंह इंजीनियर द्वारा निज कार्यालय पर जन्मदिन कार्यक्रम आयोजित कर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीर्घायु व उज्जवल भविष्य की कामना की। नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष अंजनी विशाल चैरसिया मित्र मंडल, पार्षदगण डॉ. सलीम खान, कमलेश जैन, हिफज्जुर्रहमान भैया मियां, सुभाष नामदेव, शेख रईस, कालू भट्ट, तारा कटारिया, तेजसिंह राठौर, रवि शर्मा, तेजपाल मुकाती, मुकेश मेवाड़ा मित्र मंडल, वैष्णव बैरागी समाज, नगरपालिका अधिकारी एवं कर्मचारीगण, पंकज यादव मित्र मंडल, सुनील परमार मित्र मंडल, देवजी पटेल मित्र मंडल, धारासिंह पटेल मित्र मंडल, ऋतु आनंद जैन मित्र मंडल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, राजनैतिक दलों के नेतागण, सामाजिक संगठनों द्वारा जन्मदिन कार्यक्रम आयोजित कर केक काटकर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा को जन्मदिन की बधाई दी।

मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के केलेंडर का हुआ विमोचन

मण्डला/अजीत पटेल--मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के युवा एवं जुझारू अध्यक्ष श्री विवेक शुक्ला के नेतृत्व में मध्य प्रदेश शिक्षक संघ लगातार अपनी बुलंदियों को छू रहा है ,मध्य प्रदेश शिक्षक संघ,शिक्षक संवर्ग के शासकीय सेवकों का एकमात्र ऐसा संगठन है जिसमें नियमित शिक्षक एवं अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों की आस्था जुडी हुई है।प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी मध्य प्रदेश शिक्षक संघ का वार्षिक कैलेंडर 2025 का विमोचन डॉ.संजय कुशराम अध्यक्ष जिला पंचायत मंडला एवं श्रीमती वंदना गुप्ता सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के साथ ही श्री रंजीत गुप्ता सहायक संचालक एवं खंड शिक्षा अधिकारी मंडला के कर कमलों से संपन्न हुआ।

विमोचन पश्चात डॉ. कुशराम जी ने अपने शासकीय निवास स्थान पर समस्त शिक्षकों के साथ संवाद कर भावी योजनाओं के संबंध में चर्चाएं की एवं शिक्षकों की हर संभव सहायता की बात कही।विमोचन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक गण उपस्थित थे।जिनमें प्रमुख रूप से प्रांत प्रमुख असीम गौतम,वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार सिंगौर,शैल कुमार दुबे,अखिलेश चंद्रोल, दिनेश दुबे,माखन सिंह चौहान,अनिल मरकाम एवं अन्य पदाधिकारी में योगेश चौरसिया, शौपत कुर्वेति,प्रभात ज्योतिषी, टीकाराम श्रीवास,मदन कच्छवाहा, अरविंद तिवारी,घनश्याम चौरसिया,प्रवीण वर्मा,निर्मल पटेल,प्रभात पटेल, मयंक पटेल, नंदकिशोर मार्को ,उदय कांत अवस्थी रामकुमार पटेल, प्रवीण वर्मा श्रीमती इंदिरा सिंगरौरे ,श्रीमती सुरेखा वैश्य, श्रीमती शांति मरावी,रेवा शंकर पांडे, राकेश शुक्ला, दीपक कछ्वाहा, रवि शंकर यादव, प्रियदर्शन पटेल गणेश झरिया ,महेश नामदेव,संदीप कछ्वाहा धनीराम प्राचार्य केहरपुर,शील कछ्वाहा, तरूण तिवारी,धनीराम मरावी,शील निधी कछ्वाहा,दीपक ठाकुर,सिंगौर जी गवारी, निर्मल पटेल एवं तमाम तहसील एवं ब्लॉक कमेटी के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।अंत में जिला अध्यक्ष श्री विवेक शुक्ला ने समस्त शिक्षक साथियों का आभार व्यक्त कर किया।

प्रज्ञानानंद ने टाईब्रेक में गुकेश को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स 2025 जीता

वाइक आन ज़ी, नीदरलैंड्स - ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने टाटा स्टील मास्टर्स 2025 में शानदार जीत दर्ज की, विश्व चैंपियन डी गुकेश को टाईब्रेक मुकाबले में हराकर रविवार, 2 फरवरी को खिताब अपने नाम किया।

रोमांचक फाइनल में दोनों युवा शतरंज प्रतिभाओं ने जबरदस्त खेल दिखाया, क्योंकि उन्होंने क्लासिकल राउंड में 8.5 अंकों के साथ बराबरी पर समाप्त किया। 13 राउंड के क्लासिकल चरण में प्रज्ञानानंद और गुकेश दोनों को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा।

गुकेश को अपने हमवतन ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ अपनी पहली हार झेलनी पड़ी, जबकि प्रज्ञानानंद को जर्मनी के विंसेंट कीमर ने मात दी। इसके बावजूद, दोनों खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर बने रहे, जिससे टाईब्रेक मुकाबले की स्थिति बनी।टाईब्रेक मुकाबले में शुरुआत में गुकेश ने बढ़त बना ली, जब प्रज्ञानानंद की गलती के कारण उन्हें पहला गेम गंवाना पड़ा। हालांकि, प्रज्ञानानंद ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और ट्रॉम्पोव्स्की ओपनिंग का उपयोग कर दूसरा गेम जीतकर वापसी की।स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद मुकाबला सडन-डेथ में चला गया। सडन-डेथ चरण में, गुकेश ने रचनात्मक खेल दिखाया और शुरुआती बढ़त लेते हुए एक प्यादा हासिल किया। हालांकि, तंत्रिका तनाव के बीच उन्होंने अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे उन्होंने एक प्यादा और फिर अपनी अंतिम घोड़ी गवां दी। प्रज्ञानानंद ने सटीक तकनीक का उपयोग करते हुए जीत हासिल की और अपने करियर का पहला टाटा स्टील मास्टर्स खिताब जीता।यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि वे 2006 में विश्वनाथन आनंद के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बने। वहीं, गुकेश के लिए यह लगातार दूसरा साल था जब वे फाइनल में पहुंचे लेकिन टाईब्रेक में हार गए। पिछले संस्करण में, वे चीनी ग्रैंडमास्टर वेई यी से हार गए थे। टाटा स्टील चैलेंजर्स 2025 में, वियतनाम के थाई दाई वान गुयेन ने खिताब अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी जीएम आर वैशाली, जो प्रज्ञानानंद की बहन हैं, और दिव्या देशमुख ने क्रमशः नौवां और बारहवां स्थान प्राप्त किया। प्रज्ञानानंद की इस शानदार जीत ने उन्हें शतरंज की दुनिया के उभरते सितारों में मजबूती से स्थापित कर दिया है और भारतीय शतरंज की वैश्विक प्रभुत्व की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है।

केंद्र सरकार का बजट पर मध्यप्रदेश ओबीसी कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया

भाजपा का 2025 का नया बजट सोची समझी योजना: अरविन्द सोनी

दैनिक सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल । केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 मे अपना बजट पेश कर दिया है। जिसको लेकर विपक्ष पूरी तरह संतुस्ट नही है। और भाजपा सरकार के नए बजट 2025 को सोची समझी योजना बताकर अपनी तीखी प्रतिक्रिया देने के लिए मध्यप्रदेश ओबीसी कांग्रेस अव्वल रही है। पिछड़ा वर्ग कांग्रेस स्टेट कोऑर्डिनेटर भिंड जिले के दबंग कांग्रेस नेता अरविंद सोनी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर मध्यप्रदेश की जनता की आवाज और अधिकारों दबाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की भोली भाली जनता ने गुमराह होकर इस बार विधान सभा चुनाव 166 सीट और लोक सभा मे पूरी 29 की 29 सीट भाजपा को सौंपी है। उसके बाउजूद भी प्रदेश के किसान , बेरोजगार , युवाओं ,के लिए महंगाई का दंश पहले से अधिक बढ़ा दिया गया है । तो वहिं मध्यम वर्ग और प्रदेश के मूल आदिवासियो को किसी भी योजना लाभ नही दिया गया। बल्कि दलित वर्ग समाज की आवाज को लगातार अनसुनी कर रहे है। उन्होंने कहा की भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश के लिए कोई ख़ास बजट नहीं प्रस्तुत किया है। बजट 2025 को मध्यप्रदेश की जनता के लिए मात्र औपचारिकता बताया है। श्री सोनी ने कहा कि भाजपा सरकार देश और मध्यप्रदेश की जनता से धोखा बेरोजगार नवजवानो के भविष्य से खिलवाड़ करती आ रही है।जिसका वक्त आने पर पिछड़ा वर्ग कांग्रेस भाजपा सरकार को निश्चित जवाब देगी।

नेमा दर्पण फॉउंडेशन महिला इकाई छिंदवाड़ा का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम सम्पन्न

छिंदवाड़ा। नेमा दर्पण फॉउंडेशन महिला इकाई छिंदवाड़ा ने आज सुभाष पार्क में नेमा समाज की महिलाओं का हल्दी कुम कुम कार्यक्रम उत्साहपूर्ण माहौल में आयोजित किया। नेमा दर्पण फॉउंडेशन महिला इकाई छिंदवाड़ा की अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा नेमा ने बताया कि वरिष्ठ मातृशक्ति उपस्थित स्वजातीय मातृशक्तियो ने पार्क में स्थित मंदिर में माता की पूजन एवं वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।विभिन्न मनोरंजक खेलो का संचालन श्रीमती प्रतिमा नेमा एवं श्रीमती श्रद्धा नेमा एवं सोनिया नेमा ,रश्मि नेमा के द्वारा किया गया जिसका सभी महिलाओं ने भरपूर आंनद लिया।विभिन्न मनोरंजक खेलो में प्रथम-श्रीमती अंकिता मधुर नेमा सेकंड-श्रीमती निशा नेमा, तीसरा श्रीमती नेहा नेमा विजेता रही,कार्यक्रम में सभी विजेताओं को पुरुकृत किया गया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती प्रतिमा नेमा ने नेमा दर्पण फॉउंडेशन की ओर से सभी महिला इकाई छिंदवाड़ा की निरंतर सक्रियता एवं सफल आयोजन के लिए बधाई प्रेषित कर आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर श्रीमती प्रतिमा नेमा,श्रीमती श्रद्धा नेमा,श्रीमती लालिमा नेमा,श्रीमती रश्मि नेमा,श्रीमती पूजा नेमा,श्रीमती सोनिया नेमा,श्रीमती संध्या नेमा,श्रीमती नीतू नेमा,श्रीमती भावना नेमा,श्रीमती रितु नेमा,श्रीमती अमिता नेमा,श्रीमती ममता नेमा,श्रीमती पूनम नेमा,श्रीमती सुषमा नेमा,श्रीमती अंकिता नेमा,श्रीमती स्वाति नेमा,श्रीमती पूर्णिमा नेमा,श्रीमती हर्षा नेमा,श्रीमती सुभी नेमा,श्रीमती नेहा नेमा,श्रीमती अनिता नेमा,श्रीमती वंदना नेमा,श्रीमती निशा नेमा, उपस्थित रही

ब्रम्हाकुमारी शिवानी बहन के कार्यक्रम में शामिल होंगे सांसद बंटी विवेक साहू

छिन्दवाड़ा। प्रजापिता ब्रम्हा कुमारी ई?वरीय वि?व विद्यालय द्वारा 4 फरवरी को पोला ग्राउंड मे एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें सांसद बंटी विवेक साहू प्रमुख रूप से शामिल होगें। कार्यक्रम का आयोजन 4 फरवरी को प्रातः 6:15 से प्रातः 9 बजे तक किया गया है जिसमें सभी के बैठने की नि:शुक्ल व्यवस्था की गयी है। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजयोगिनी ब्रम्हाकुमारी हेमलता दीदी इंदौर से, राजयोगिनी ब्रम्हाकुमारी उषा दीदी उज्जैन से एवं राजयोगिनी ब्रम्हाकुमारी भावना दीदी जबलपुर प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगी। सांसद श्री साहू ने आमजनों से अपील की है कि उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम का लाभ अर्जित करें।

कुंभ में भागवत कथा एवं रामकथा का होगा आयोजन ,कल्पवास के लिए रवाना होंगे सैकड़ों साधक

छिंदवाड़ा। आस्था का संगम अमृत महाकुंभ में सदगुरु परिवार के द्वारा 6 फरवरी से 12 फरवरी तक परम पूज्य योग महामंडलेश्वर नागेंद्र ब्रह्मचारी के सानिध्य एवं अमृतमयी वाणी से दिन में दिव्य भागवत कथा एवं रात्रि में श्री राम कथा का आयोजन किया गया है जिसमें देश भर के सदगुरु परिवार के साधक महाकुंभ में कथा के साथ दिव्य अलौकिक महान विभूतियों संत महात्माओं साधुओं के दर्शन तीनों माताओं गंगा,यमुना सरस्वती की अविरल धारा संगम में स्नान कर संत समागम में आमंत्रित संत साधुओं का सम्मान दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे महाराज जी ने बताया कि यह संयोग 144 वर्षों के बाद आया है इसलिए आध्यात्म का संगम अमृत महाकुंभ में चारों पीठ के शंकराचार्य सहित बड़ी संख्या में नागा साधु ,संत महात्मा अखाड़ों सहित पधारें है जिनके दर्शन से मन अभिभूत कर पुण्य लाभ लिया जा सकता है 8 दिवसीय कल्पवास के साथ तीर्थराज प्रयागराज में सदगुरु परिवार के साधकों का समावेश होगा 5 फरवरी को साधकों के साथ कुंभ स्नान के लिए रवाना होंगे.

डॉ कविता का सहायक प्रध्यापक पर चयन

छिंदवाड़ा- डॉ कविता परेश जुनेजा ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। सामान्य वर्ग से होने के बाद भी उन्होंने पारिवारिक और दाम्पत्य जीवन का निर्वहन करते हुये ये सफलता अर्जित की है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग 2025 में आये परिणाम में चयनित होकर उन्हीने ये सफलता अर्जित की है । उनका सहायक प्राध्यापक के पद पर चयन हुआ है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पति परेश जुनेजा , अपने बच्चों, जुनेजा एवं वीरमानी परिवार को दिया है। उनकी इस सफलता पर सभी ईष्ट मित्रो एवं परिवार जनों ने शुभकामनाये और बधाई दी है।

जुन्नारदेव के सैकड़ों कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष का किया स्वागत

छिंदवाडा- भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शेषराव यादव का स्वागत करने जुन्नारदेव विधानसभा से आशीष ठाकुर पंद्राम के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने छिंदवाड़ा पहुंचकर जिला अध्यक्ष को भगवा पगड़ी पहना कर एवं तलवार भेंट देकर जोरदार स्वागत किया जिसमें स्वागत में सनातन की झलक दिखी. जिलाध?यक्ष श्री यादव ने भाषण में सभी कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया एवं संगठन मजबूत करने का और सबका साथ विकास और सब का विश्वास का संदेश दिया। एवं सब मिलकर भाजपा को ऊंचाइयों पर पंहुचाने का संकल?प लिया। स्वागत भाषण मोहन पाल ने एवं आभार आशीष ठाकुर ने किया, मंच संचालन संदीप मिश्रा ने किया. कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष पंडित रमेश दुबे, पूर्व जिलाध्य रमेश पोपली, पूर्व जिला महामंत्री उत्तम ठाकुर, भाजपा युवा नेता सूरज चौधरी, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष गरिमा दामोदर एवं युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश बैस उपस्थित थे.

कॉम्बिंग गश्त के दौरान छिंदवाड़ा पुलिस की बडी सफलता

एक ही रात्रि में 119 वारंटियो को पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। प्रदेश स्तरीय रात्रि काम्बिंग गश्त के संबंध में पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियो की निरंतर... धरपकड़ व अवैध कार्यो में संलिप्त व्यक्तियों / अपराधियों तथा अपराधों पर अंकुश लगाने व जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा श्री अजय पांडे द्वारा विशेष ऑपरेशन चलाकर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश पर छिंदवाड़ा में *दिनांक 01/02/2025* को रात्रि में शहर व देहात के थाना क्षेत्रो पर कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान कॉम्बिंग गस्त अनुभागवार पुलिस बल को अलग-अलग स्थानो पर एकत्रित किया जाकर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा पुलिस बल को ब्रीफ किया गया उसके बाद अलग-अलग क्षेत्रो में कॉम्बिंग गस्त के लिये रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा स्थायी/गिरफ्तारी वारंटियो की धरपकड़ हेतु प्रत्येक थाने में अलग-अलग पुलिस टीम तैयार कर वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तकनीकी शाखा (सायबर सेल) के सहयोग एवं नाकाबंदी / दबिश देकर एक ही रात्रि में औचक नाईट काम्बिंग ऑपरेशन चलाकर *20 स्थाई व 99 गिरफ्तारी,इस प्रकार कुल 119 वारंटियो* को दबिश/घेराबंदी / नाकाबंदी कर गिरफ्तार किया गया, सभी गिरफ्तारशुदा वारंटियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है।

जिलें में सर्वाधिक वारंट की तामीली के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस)चौरई श्री सौरभ तिवारी के नेतृत्व में थाना चौरई द्वारा कांबिग गस्त के दौरान लगातार टीम गठितकर सर्वाधिक वारंट तामील किया गया ,जिसमें 03 स्थायी व 16 गिरफ्तारी, इस प्रकार कुल 19 वारंट तामील कर वारंटियो को गिरफ्तार किया गया व नगर पुलिस अधीक्षक (छिन्दवाडा) श्री अजय राणा के नेतृत्व में थाना कुण्डीपुरा द्वारा गठित टीम ने कुल 04 स्थागयी व 08 गिरफ्तारी, कुल 12 वारंटियो को गिरफ्तार किया तथा थाना कोतवाली द्वारा गठित टीम ने 02 स्थायी वारंट व 08 गिरफ्तारी वारंट कुल 10 वारंटियो को गिरफ्तार किया गया, पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वाधिक वारंट तामीली एवं स्थायी वारंट तामील करने वाली पुलिस टीम को पुरुस्कृत करने की घोषणा की गई हैं।

आपराधिक गतिविधियो में संलिप्त व्यक्तियो/जिले के गुंडा /निगरानी बदमाश,जिला बदर के अपराधियों, जेल से रिहा आरोपियों, कबाड़ियो को काम्बिंग ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीम द्वारा सघनता से चेक किया गया व गुम इंसानो (व्यक्तियों) की दस्तयाबी की गई, जिसमें *95 गुंडा बदमाश,71 निगरानी बदमाश, 02 जिला बदर के अपराधियों, 12 जेल से रिहा, 42 कबाड़ियो* को चेक कर थाना रिकार्ड में इंद्राज किया गया तथा थाना क्षेत्र में विगत दिनो गुम हुए व्यक्तियों को पुलिस टीम द्वारा तलाश की गई जिसमें *07 गुम इंसान* को दस्तयाब किया गया, अवैध शराब की तस्करी/ खुले स्थान शराब पीने वाले *15 व्यक्तियों से 90 लीटर अवैध शराब* जप्त कर उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई।

आँपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक सोहिल पिता हुसैन शाह उम्र 14 साल नि. ग्राम शहपुरा थाना चांद (छिन्दवाडा) जो दिनाँक 28.01.2025 को घर से बिना बताये कहीं चला गया था जिसे कॉम्बिग गस्त के दौरान थाना प्रभारी चांद उनि श्री महेन्द्र भगत की टीम द्वारा गुमशुदा बालक की तलाश कर शहर छिंदवाडा से दस्तयाब किया जाकर परिजनो को सुपुर्द किया गया, टीम का कार्य सराहनीय है उक्त कार्य के लिये पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुरुष्कृत करने की घोषणा कि गई है।

पुलिस टीमों द्वारा इस अभियान के दौरान कई सक्रिय बदमाशो के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही भी की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकार्ड को अपडेट किया गया। शहर व देहात क्षेत्र की गली मोहल्लो में घूमकर पुलिस ने गुण्डे बदमाश, जेल से रिहा आरोपियो की धरपकड़ की। पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा द्वारा जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से यह कॉम्बिंग ऑपरेशन जारी हैं । पुलिस टीमों द्वारा गुण्डो एवं बदमाशों के घर - घर जाकर उनकी जानकारी ली गई, चैकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाश को चेतावनी भी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता हैं तो उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। जेल से रिहा होकर आये आरोपियो को भी चेक किया गया। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से छिंदवाड़ा पुलिस द्वारा की गई यह कार्यवाही लगातार जारी हैंज

साइबर क्राइम को लेकर पुलिस ने जन अभियान परिषद के विद्यार्थियों को किया जागरूक

अमरवाड़ा - पुलिस थाना अमरवाड़ा द्वारा जन अभियान परिषद के सीएमसीएलडीपी एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू विद्यार्थियों को छात्र /छात्रों को साइबर क्राइम के प्रति जागरूक किया गया। नगर निरीक्षक राजेंद्र धुर्वे ने साइबर ठगी से बचने के लिए कई बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि आपका बैंक कभी भी आपकी पर्सनल जानकारी हेतू काल नही करता ,इस प्रकार के किसी भी काल पर जानकारी साझा न करे ,इंटरनेट के उपयोग की सही जानकारी होने पर साइबर अपराध से बचा जा सकता है। आनलाइन खातों के लिए मजबूत पासवर्ड बनाए, इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सअप, ट्विटर(एक्स), फेसबुक व इंस्टाग्राम पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक न करें। क्योंकि कोई भी व्यक्ति आसानी से आपकी जानकारी का इस्तेमाल कर दुरूपयोग कर सकता है। किसी भी अनजान इुश्चद्म को ओपन न करे ,ओपन करने की दशा मे मोबाइक हैक होकर खाते से पैसा निकल सकता है ।डिजिटल अरेस्ट से बचाव के लिए बताया गया कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज पर प्रतिक्रिया न दें। इस अवसर पर थाना प्रभारी अमरवाड़ा राजेंद्र धुर्वे उप निरीक्षक बिजेंद्र मार्को सहायक उप निरीक्षक रजनीश सोनी करतार सिंह बघेल विकासखंड समन्वयक वंदना राकेसिया,परामर्शदाता राजेश तिवारी प्रवीण सक्सेना एडवोकेट अंशुल जैन भुवनेश्वर सूर्यवंशी भारती सूर्यवंशी मोजूद थे।

बसंत पंचमी पर गौशाला पहुंचे जनपद अध्यक्ष औरसमाजसेवी

मेन रोड से गौशाला तक सीसी रोड का निर्माण ?12000 की दी सहयोग राशि

अमरवाडा नगर के गौलक्ष्मी टीम के युवाओं द्वारा आज गेस्ट ऑफ द वीक प्रोग्राम के अंतर्गत आज बसंत पंचमी के पवन पर्व पर वरिष्ठ भाजपा नेता अमरवाड़ा जनपद अध्यक्ष गणेश कंगली एवं क्षेत्र में अनेक समाजसेवी कार्यों में अपना निरंतर सहयोग प्रदान करने वाली नटनी माई समिति को आमंत्रित किया गया।समिति के वरिष्ठ संतोष नेमा अध्यक्ष बूटी नेमा जी राधेश्याम सोनी श्री मति पाठक जी,बालकिशन साहू गणेश साहू श्याम राजपूत मुकेश नेमा चंदेल बापू श्री मति गौरा मैडम संध्या राय जी लक्ष्मी साहू संजय साहू कमलेश साहू दीपक मालवी गौशाला पहुंचकर गौशाला का भ्रमण किया एवं गौवंशो को भोजन कराया।

एवं माननीय जनपद अध्यक्ष द्वारा गौशाला मार्ग में पक्की रोड एवं गौशाला के अंदर पॉवर्स ब्लॉक लगवाने का आश्वासन प्राप्त हुआ जो कि गौशाला पुनरूद्धार के लिए काफी सराहनीय है इसी के साथ नटनी माई समिति के सदस्यों द्वारा गौलक्ष्मी कोष में 12112/- नगद सहयोग राशि प्राप्त हुई जो नगर के गौवंशो की सुरक्षा एवं गौशालाओं के विकास में समिति का अविस्मरणीय योगदान है इसी के साथ समस्त गौलक्ष्मी के सदस्यों द्वारा सभी का हृदय धन्यवाद प्रेषक किया गया।

बैडमिंटन स्पर्धा का हुआ समापन....

बैडमिंटन संघ ने किया भाजपा जिलाध्यक्ष का सम्मान

छिंदवाड़ा- स्पर्धा अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैस ने बताया कि जिला बेडमिंटन संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जूनियर प्रतियोगिता में जिले भर के 90 खिलाड़ियों ने भाग लिया मुख्य मुकाबले कोयलांचल व छिंदवाड़ा नगर के खिलाडियों के बीच खेले गए ओर 20 हजार रुपये के पुरुस्कारों से खिलाड़ियो को पुरूस्कृत किया गया इस अवसर पर खिलाड़ियो के उत्साह वर्धन हेतु मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव एवं विशेष अतिथि के रूप में प्रियकांत जुनेजा, अंतरराष्ट्रीय खिलाडी रविकान्त अहिरवार ,डॉ अनिल जैन,नावेद खान,एस एल खत्री,एस के नेमा,एम एम सिंह,विजय पवार, अजहर खान,डॉ किंशु सोनी उपस्थित रहे ऑफिशियल्स के रूप में जावेद खान, राकेश चौरसिया ,विनय सिंह चंदेल,तरुण विश्वकर्मा, अतिकेश मेहता, वाशु करडे, कोमल साह, महिमा यादव, प्रकृति विश्वकर्मा,यशवीर सिंह उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन स्पर्धा सचिव जावेद खान ने किया।इस स्पर्धा में विजेता खिलाडी श्रेस्ट सिंह,संभाबी सोनी,धुरुव डोडानी,विशेष जुनेजा, रूबल हरदिया, गुंजन नागरारे, द्रोण भांडुरिया, समृद्धि अहिरवार,भविष्य सूर्यवंशी, आरव शर्मा, कुशाग्र पटेल,रेणुका उपासनीय,महिमा यादव,जनव्ही विश्वकर्मा व अरनव दीवान को ट्राफी सील्ड ,मोमेंटो,मैडल व व्यक्तिगत पुरुस्कारों से सम्मानित किया गया आगामी दिनों में बालाघाट ,भोपाल व धार में आयोजित होने वाली राज्य प्रतियोगिताओ में जिले के खिलाडी भाग लेंगें ।आयोजन समिति के द्वारा नवागत शुभांकर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री शेषराव यादव जी का सम्मान किया गया ।इसी अवसर पर 82 वर्षी वरिष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी एस एल खत्री व 65 वर्षी विजय पवार की टीमों का मैच आयोजित किया गया ।

राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्रों से मप्र को मिलेगा लाभः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को सशक्त करते हुए केंद्रीय बजट 2025 में कौशल विकास और रोजगार को केंद्र में रखा गया है। मध्यप्रदेश इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रदेश को %कौशल शक्ति प्रदेश के रूप में विकसित करने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम एक ऐसा वातावरण तैयार कर रहे हैं, जहां हर युवा को नवीनतम औद्योगिक जरूरतों के अनुसार प्रशिक्षण मिलेगा। इससे प्रदेश की प्रतिभा न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्रीय बजट-2025 में घोषित 5 राष्ट्रीय कौशल उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना से मध्यप्रदेश को विशेष रूप से लाभ मिलेगा। इन केंद्रों के माध्यम से ÷मेक फॉर इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड÷ अभियान को मजबूती मिलेगी, जिससे राज्य में प्रशिक्षकों के उन्नत प्रशिक्षण, प्रमाणन प्रणाली और उद्योग से जुड़े पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल को राज्य के युवाओं के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कौशल विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार है।

स्टार्ट-अप्स और उद्यमिता को मिलेगा नया आयाम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्टार्ट-अप्स के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के फंड ऑफ फंड्स की घोषणा से मध्यप्रदेश के नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी। राज्य सरकार इस कोष का अधिकतम लाभ उठाने के लिए एक विशेष कार्ययोजना तैयार कर रही है, जिससे स्थानीय स्टार्ट-अप्स को पूंजी और संरचनात्मक सहायता मिल सके। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि ÷यह बजट केवल कौशल विकास की बात नहीं करता, बल्कि इसे रोजगार से जोड़कर समग्र विकास का एक मॉडल प्रस्तुत करता है। हम मध्यप्रदेश में डिजिटल लर्निंग, ढ्ढ आधारित शिक्षा और नए उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देंगे। यह युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के द्वार खोलेगा।÷ उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में घोषित योजनाओं को राज्य स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा व्यापक रणनीति बनाई जा रही है।

रोजगार उन्मुख कौशल प्रशिक्षण और नए अवसर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बजट में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (तष्टष्ट) फ्रेमवर्क पर जोर दिया गया है, जिससे मध्यप्रदेश को टियर-2 शहरों में वैश्विक कंपनियों के कौशल केंद्रों को स्थापित करने का अवसर मिलेगा। इससे प्रतिभाशाली युवाओं को वैश्विक बाजार के अनुरूप तैयार किया जाएगा।पर्यटन और आतिथ्य उद्योग में मुद्रा लोन का प्रावधान किया गया है। सरकार होम-स्टे और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

रेत खनिज का अवैध परिवहन एवं उल्लंघन प्रमाणित होने पर

अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन भी खनिज रेत सहित राजसात

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह द्वारा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत एक प्रकरण में वाहन चालक अजय पिता मेम्बर यादव निवासी ग्राम बुधवारा थाना जुन्नारदेव तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा द्वारा म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अनुसार रेत खनिज का अवैध परिवहन करने और अवैध परिवहन का उल्लंघन प्रमाणित होने पर प्रावधान के अनुसार अनावेदक वाहन मालिक विनोद यदुवंशी पिता देवीलाल यदुवंशी निवासी वार्ड नंबर 09 जमकुंडा तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा पर अर्थशास्ति और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की कुल शास्ति राशि की दुगुना राशि 61250 रुपए अधिरोपित की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि खनिज अधिकारी छिंदवाड़ा के माध्यम से प्रस्तुत प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जुन्नारदेव के प्रतिवेदन 12 फरवरी 2024 के अनुसार थाना प्रभारी जुन्नारदेव द्वारा बताया गया कि 14 अप्रैल 2023 को शारदा खदान के सामने यात्री प्रतिक्षालय के पास एक लाल रंग का ट्रेक्टर क्रमांक स्क्क28ष्ठ 3753 आता दिखा जिसे रोकने पर ट्राली में रेत भरी पाई गई। ट्रेक्टर चालक का नाम अजय पिता मेम्बर यादव निवासी ग्राम बुधवारा थाना जुन्नारदेव बताया गया। साथ ही रायल्टी एवं दस्तावेज नहीं होना पाया गया। ट्रेक्टर मालिक विनोद यदुवंशी के कहने पर खजरी फुलसा के पास के नाला से रेत भरकर जमकुंडा ले जाना बताने पर इस वाहन एवं रेत को समक्ष गवाहन मुताबिक जप्ती पत्रक को जप्त कर अपराध धारा घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जप्तशुदा वाहन ट्रेक्टर क्रमांक स्क्क28ष्ठ 3753 के वाहन स्वामी विनोद यदुवंशी पिता देवीलाल यदुवंशी निवासी वार्ड नंबर 09 जमकुंडा तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा के नाम से रजिस्टर्ड होना पाया गया। इस वाहन को जप्त कर पुलिस थाना जुन्नारदेव की अभिरक्षा में रखा गया है। जिसमें खनि निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं अनावेदक द्वारा प्रस्तुत जवाब एवं संलग्न दस्तावेजों का सूक्ष्मता से परिशीलन एवं अवलोकन करने के उपरांत म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अध्याय 5 नियम 19 के अनुसार वाहन चालक अजय पिता मेम्बर यादव निवासी ग्राम बुधवारा थाना जुन्नारदेव तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा द्वारा खनिज रेत का अवैध परिवहन किये जाने से वाहन मालिक/अनावेदक विनोद यदुवंशी पिता देवीलाल यदुवंशी निवासी वार्ड नंबर 09 जमकुंडा तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा के ट्रेक्टर वाहन क्रमांक स्क्क28ष्ठ 3753 द्वारा 3 घनमीटर रेत खनिज का अवैध परिवहन पाये जाने पर नियमानुसार 5625 रुपए की अर्थशास्ति, 25000 रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति, 1000 रुपए की प्रशमन राशि को मिलाकर कुल शास्ति मय प्रशमन शुल्क 31625 रूपये अधिरोपित करने के लिये प्रस्तावित किया गया। लेकिन अनावेदक द्वारा प्रशमन स्वीकार नहीं किए जाने के कारण नियम के प्रावधान अनुसार अर्थशास्ति एवं पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के कुल योग 30625 रुपए की दुगुना राशि 61250 रूपए की शास्ति अधिरोपित की गई है। साथ ही नियम के अध्याय 5 नियम 19 (5) के प्रावधानों के अनुसार ट्रेक्टर वाहन क्रमांक स्क्क28 ष्ठ 3753 को शासन के हित में खनिज सहित राजसात करने के आदेश भी पारित किये गये हैं । उन्होंने खनि अधिकारी को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार वाहन का पंजीयन निरस्त करने, शास्ति की राशि निर्धारित मद में शासन के पक्ष में जमा कराई जाने की अग्रिम कार्यवाही करने और आरोपित शास्ति की राशि की प्रविष्टि अर्थदण्ड पंजी में कराये जाने के निर्देश दिये है। साथ ही निर्धारित प्रावधानों के अनुसार राजसात वाहन और जप्तशुदा खनिज को पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया के अंतर्गत नीलाम करने और अपील अवधि के बाद नियमानुसार नीलामी की जाकर नीलामी से प्राप्त राशि शासन के निर्धारित मद में चालान द्वारा जमा किये जाने के आदेश भी पारित किये गये है।

16 प्राथमिक महिला आजीविका बहुप्रयोजन सहकारी समितियों के संचालक मण्डल के सदस्यों की निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। म.प्र. डे. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती रेखा अहिरवार ने बताया कि विकासखण्ड अमरवाड़ा में कार्यशील 16 प्राथमिक महिला आजीविका बहुप्रयोजन सहकारी समितियों में खमराअडकू, सोनपुर, चारनखापा, पथरकटी, साजवा, कोपाखेडा, सारसडोलमाल, दीघावानी, कहुआ, बंधी, उमरिया, झीरपानी, बहेरिया, रंगपुर, पीपरपानी एवं सरियापानी के संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन संपन्न होना है। इन 16 समितियों की सदस्यता सूची का प्रकाशन समिति कार्यालय के नोटिस बोर्ड, उप पंजीयक सहकारी सोसायटियों कार्यालय छिन्दवाडा, विकासखण्ड अधिकारी/मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अमरवाड़ा के सूचना पटल पर 30 जनवरी 2025 को किया गया है। उन्होंने बताया कि यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो 30 जनवरी से 06 फरवरी 2025 तक म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखण्ड प्रबंधक-अमरवाड़ा में 07 फरवरी 2025 को दोपहर 01 बजे से किया जायेगा।

कभी घरों में बर्तन मांजती थीं दुलारी देवी जिनकी बनाई साड़ी पहनकत निर्मला सीतारमण ने पेश किया बजट

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार आठवां बजट पेश कर एक रिकॉर्ड कायम कर दिया है। इस बार बजट पेश करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्रीम कलर की साड़ी पहनी है, जिस पर मधुबनी आर्ट बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ये साड़ी बिहार की दुलारी देवी ने उन्हें तोहफे में दी थी। आखिर कौन हैं दुलारी देवी जिनकी दी हुई साड़ी वित्त मंत्री ने इतने खास मौके पर पहनी है, आइये जानते हैं।

कौन हैं दुलारी देवी – बिहार के मधुबनी जिले के रांटी गांव की रहने वाली हैं दुलारी देवी। उनका जन्म मछुआरा जाति में हुआ था। बचपन में उन्हें पढ़ने-लिखने का मौका नहीं मिला और मात्र 12 साल की कम उम्र में ही उनकी शादी हो गई। कम उम्र में उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया, लेकिन वो जिंदा नहीं बची। समाज और पति के ताने इतने बढ़े कि उन्हें 16 साल की उम्र में अपनी शादी से अलग होने का कदम उठाना पड़ा।

कैसे बदली दुलारी देवी की जिंदगी– दुलारी देवी खेतों में मजदूरी और लोगों के घर झाड़ू-बर्तन करके अपनी जिंदगी जी रहीं थीं। उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव तब आया जब दुलारी देवी की मुलाक़ात प्रख्यात मधुबनी पेंटिंग कलाकार कर्पूरी देवी से हुई। बस उसी दिन से दुलारी देवी ने कला की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने मधुबनी पेंटिंग बनाने की शुरुआत की और तब से ये सिलसिला जारी है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भी दुलारी देवी की तारीफ की थी। साल 2012-13 में दुलारी देवी को कला के क्षेत्र में राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया था।

दुलारी देवी का प्रेरणा भरा सफर– दुलारी देवी का जीवन संघर्षों से भरा रहा। बचपन में उनके पास कागज और कलम नहीं थे, इसलिए वे जमीन पर लकड़ी से चित्र बनाती थीं। धीरे-धीरे उनकी कला निखरती गई और वे एक प्रसिद्ध कलाकार बन गईं। उन्हें शब्दों की पहचान नहीं थी, लेकिन रंगों की गहरी समझ थी। उनकी कला शैली मिथिला पेंटिंग की %कचनी शैली% से मिलती है।

दुलारी देवी की कला– दुलारी देवी ने अपनी पेंटिंग्स के माध्यम से बाल विवाह, एड्स और भ्रूण हत्या जैसे सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाई है। उनकी कला में एक संदेश होता है, जो लोगों को सोचने और बदलाव के लिए प्रेरित करता है।

दुलारी देवी को मिल चुका है पद्म श्री सम्मान– दुलारी देवी की कला को दुनिया भर में सराहा गया है। उन्होंने मधुबनी कला को एक नई पहचान दी है। उनकी कला की सभी खूबियों को देखते हुए, 2021 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया।

कब भेंट की वित्त मंत्री को साड़ी-

दुलारी देवी ने मधुबनी पेंटिंग के साथ-साथ साड़ी पर भी अपनी कला को खूबसूरती से उकेरा है। जब वित्त मंत्री ने मिथिला आर्ट इंस्टीट्यूट में क्रेडिट आउटरीच गतिविधि के लिए मधुबनी जिले का दौरा किया, तब उनकी मुलाकात दुलारी देवी से हुई थी। तभी, दुलारी देवी ने अपने हाथ से तैयार साड़ी उन्हें दी और बजट के दिन पहनने की पेशकश की। इस साड़ी को बजट के दिन पहनकर वित्त मंत्री ने कला का सम्मान किया।

क्या है मधुबनी आर्ट-

मधुबनी आर्ट जिसे मिथिला कला के नाम से भी जाना जाता है, बिहार के मिथिला क्षेत्र की पारंपरिक लोक कला है। यह चमकीले रंगों और जटिल डिजाइनों से भरी होती है। मधुबनी आर्ट में सांकेतिक कमल के पौधे, बांस के जंगल, मछली और पक्षी बनाए जाते हैं।

मधुबनी आर्ट की विशेषताएं-

मधुबनी आर्ट में चमकीले और जीवंत रंगों का उपयोग किया जाता है। मधुबनी आर्ट में जटिल और बारीक डिजाइन बनाए जाते हैं। मधुबनी आर्ट में प्रतीकों और संकेतों का उपयोग किया जाता है। मधुबनी आर्ट में लोक कथाओं और धार्मिक कहानियों का चित्रण किया जाता है।

मत चूको चौहान वसन्त पंचमी का शौर्य

चार बांस, चौबीस गज, अंगुल अष्ठ प्रमाण!
ता उपर सुल्तान है, चूको मत चौहान!!

वसंत पंचमी का दिन हमें ÷हिन्दशिरोमणि पृथ्वीराज चौहान÷ की भी याद दिलाता है। उन्होंने विदेशी इस्लामिक आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी को 16 बार पराजित किया और उदारता दिखाते हुए हर बार जीवित छोड़ दिया, पर जब सत्रहवीं बार वे पराजित हुए, तो मोहम्मद गौरी ने उन्हें नहीं छोड़ा। वह उन्हें अपने साथ बंदी बनाकर काबुल अफगानिस्तान ले गया और वहाँ उनकी आंखें फोड़ दीं।

पृथ्वीराज का राजकवि चन्द बरदाई पृथ्वीराज से मिलने के लिए काबुल पहुंचा। वहां पर कैद खाने में पृथ्वीराज की दयनीय हालत देखकर चंद्रवरदाई के हृदय को गहरा आघात लगा और उसने गौरी से बदला लेने की योजना बनाई।

चंद्रवरदाई ने गौरी को बताया कि हमारे राजा एक प्रतापी सम्राट हैं और इन्हें शब्दभेदी बाण (आवाज की दिशा में लक्ष्य को भेदनाद्ध चलाने में पारंगत हैं, यदि आप चाहें तो इनके शब्दभेदी बाण से लोहे के सात तवे बेधने का प्रदर्शन आप स्वयं भी देख सकते हैं।

इस पर गौरी तैयार हो गया और उसके राज्य में सभी प्रमुख ओहदेदारों को इस कार्यक्रम को देखने हेतु आमंत्रित किया।

पृथ्वीराज और चंद्रवरदाई ने पहले ही इस पूरे कार्यक्रम की गुप्त मंत्रणा कर ली थी कि उन्हें क्या करना है। निश्चित तिथि को दरबार लगा और गौरी एक ऊंचे स्थान पर अपने मंत्रियों के साथ बैठ गया।

चंद्रवरदाई के निर्देशानुसार लोहे के सात बड़े-बड़े तवे निश्चित दिशा और दूरी पर लगवाए गए। चूँकि पृथ्वीराज की आँखे निकाल दी गई थी और वे अंधे थे, अतः उनको कैद एवं बेड़ियों से आजाद कर बैठने के निश्चित स्थान पर लाया गया और उनके हाथों में धनुष बाण थमाया गया।

इसके बाद चंद्रवरदाई ने पृथ्वीराज के वीर गाथाओं का गुणगान करते हुए बिरूदावली गाई तथा गौरी के बैठने के स्थान को इस प्रकार चिन्हित कर पृथ्वीराज को अवगत करवाया

''चार बांस, चैबीस गज, अंगुल अष्ठ प्रमाण।
ता ऊपर सुल्तान है, चूको मत चौहान।।''

अर्थात् चार बांस, चैबीस गज और आठ अंगुल जितनी दूरी के ऊपर सुल्तान बैठा है, इसलिए चौहान चूकना नहीं, अपने लक्ष्य को हासिल करो।

इस संदेश से पृथ्वीराज को गौरी की वास्तविक स्थिति का आंकलन हो गया। तब चंद्रवरदाई ने गौरी से कहा कि पृथ्वीराज आपके बंदी हैं, इसलिए आप इन्हें आदेश दें, तब ही यह आपकी आज्ञा प्राप्त कर अपने शब्द भेदी बाण का प्रदर्शन करेंगे।

इस पर ज्यों ही गौरी ने पृथ्वीराज को प्रदर्शन की आज्ञा का आदेश दिया, पृथ्वीराज को गौरी की दिशा मालूम हो गई और उन्होंने तुरन्त बिना एक पल की भी देरी किये अपने एक ही बाण से गौरी को मार गिराया।

गौरी उपर्युक्त कथित ऊंचाई से नीचे गिरा और उसके प्राण पंखेरू उड़ गए। चारों और भगदड़ और हा-हाकार मच गया, इस बीच पृथ्वीराज और चंद्रवरदाई ने पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार एक-दूसरे को कटार मार कर अपने प्राण त्याग दिये।

आत्मबलिदान की यह घटना भी 1192 ई. वसंत पंचमी वाले दिन ही हुई थी। वसन्त पंचमी एवं सरस्वती पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं...।

वसंत पंचमी पर धार की भोजशाला में सरस्वती पूजन

मंत्रोच्चार के बीच दर्शन कर रहे श्रद्धालु; दमोह के जागेश्वरनाथ धाम में धक्का-मुक्की, 5 महिलाओं को चोट

धार। वसंत पंचमी पर धार की भोजशाला में सोमवार सुबह से ही वाग्देवी की पूजा-अर्चना का दौर चल रहा है। चार दिवसीय वसंत पंचमी समारोह के तहत यज्ञ किया जा रहा है। मंत्रोच्चार के बीच वेदी में आहुतियां दी जा रही हैं। भोजशाला सहित पूरे परिसर को भगवा पताकाओं से सजाया गया है।

भोजशाला सहित 200 मीटर का एरिया पुलिस छावनी में तब्दील है। 70 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 9 राजपत्रित अधिकारी, 19 थाना प्रभारी सहित 700 से अधिक जवान सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे हैं। शहर के 34 चिह्नित स्थानों फिक्स पॉइंट बनाए गए हैं। 10 बाइकों पर पुलिस टीम नगर के भीतरी हिस्से जबकि चार मोबाइल पुलिस वाहन बाहरी हिस्से में लगातार गश्त कर रहे हैं। वहीं, दमोह के जागेश्वरनाथ धाम में धक्कामुक्की की वजह से 5 महिलाओं को चोट आई है। इनमें से तीन को जिला अस्पताल में ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

शोभायात्रा में रथ पर सवार वाग्देवी के दर्शन

महाराजा भोज स्मृति वसंतोत्सव आयोजन समिति के महामंत्री सुमित चौधरी ने बताया कि सरस्वती पूजन के साथ सुबह 7 बजे से यज्ञ शुरू हो गया है। उदाजीराव चौराहा घोड़ा चौपाटी से शोभायात्रा निकाली गई। इसमें विशेष रथ पर विराजमान मां वाग्देवी के तैलचित्र के दर्शन हुए। वाग्देवी की शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा मार्ग की 20 हाईराइज बिल्डिंग्स पर पुलिस जवान तैनात रहे। इसके बाद धर्मसभा होगी, जिसमें मुख्य अतिथि उत्तम स्वामीजी महाराज हैं। शाम 5:50 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति और आरती होगी।

बैरिकेड्स से गुजरकर दर्शन कर रहे श्रद्धालु

चौधरी ने बताया कि भोजशाला के मुख्य द्वार से लेकर परिक्रमा मार्ग तक बैरिकेड्स लगाए गए हैं। इनसे होकर श्रद्धालु मां सरस्वती के दर्शन कर रहे हैं। ज्योति मंदिर के सामने निशुल्क भोजन का स्टॉल है। जहां शाम तक भोजन प्रसादी के रूप में सब्जी, पूरी, आलूबड़ा और कचौरी बांटी जा रही है।

बसंत पंचमी के अवसर पर हुजूर विधानसभा का सामूहिक विवाह सम्मेलन

151 जोड़े परिणय बंधन में बंधे

भोपाल। 151 जोड़े परिणय बंधन में बंधे। मुख्यमंत्री विवाह योजना के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय उपमंडी में विवाह विधियां से हुआ। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक रामेश्वर शर्मा उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा ने अनेक बार समन्वय बैठक कर आयोजन को सफल बनाने के निर्देश दिए थे।

ग्वालियर में शादी समारोह में महिला का हंगामा

तलाक के बाद पति की शादी रुकवाने पहुंची थी, पुलिस ने वापस लौटाया

ग्वालियर। ग्वालियर की नई सड़क पर एक धर्मशाला में उस समय हंगामा मच गया जब शादी में पहुंची महिला ने दूल्हे को अपना पति बताकर तमाशा कर दिया। महिला का कहना था कि यह दूल्हा मेरा पति है और उससे अभी मेरा तलाक नहीं हुआ है।

जबकि दूल्हे का कहना था कि छह महीने पहले ही हमारा तलाक हो गया है। हंगामे का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दूल्हे ने तलाक के दस्तावेज दिखाए तो पुलिस ने महिला को वहां से वापस लौटा दिया है। घटना शूजा बाद धर्मशाला नई सड़क की है।

रविवार को बसंत पंचमी के अवसर पर उपेंद्र? सिंह परिहार की शादी का समारोह चल रहा था। इस दौरान नेहा परिहार रात 9 बजे जनकगंज थाना पहुंची और उसने यह कहते हुए पुलिस से मदद मांगी कि उपेंद्र उसका पति है और अभी दोनों का तलाक नहीं हुआ है।

इसके बाद भी वह शादी कर रहा है। अभी पुलिस कोई एक्शन ले पाती उससे पहले ही महिला शादी समारोह में पहुंची और हंगामा खड़ा कर दिया। इसी समय पुलिस वहां पहुंच गई। उपेंद्र का कहना था कि अक्टूबर 2024 में ही उनका तलाक कोर्ट से हो चुका है। इसके दस्तावेज भी उन्होंने पुलिस को दिखाए।

साल 2012 में शादी और 2025 में हुआ तलाक – पुलिस को दूल्हे तलाक के दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि 25 नवंबर 2012 को उनका विवाद हुआ था। शादी के 13 साल बाद 16 अक्टूबर 2024 को उनका तलाक हो गया है। पुलिस ने दस्तावेज देखने के बाद महिला को समझाइश देकर रवाना कर दिया।

मप्र में तीन दिन बाद तापमान में गिरावट के आसार

उज्जैन, ग्वालियर-चंबल में फिर छा रहा कोहरा; 12-13 फरवरी को हो सकती है बारिश

भोपाल। मध्यप्रदेश में सुबह और रात में ठंड का असर है, जबकि दिन में धूप चुभ रही है। इसके साथ अब कोहरा भी छा रहा है। रविवार को ग्वालियर, नीमच, मुरैना, श्योपुर, मंदसौर और भिंड में कोहरा रहा। ऐसा ही मौसम सोमवार सुबह भी है। उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में कोहरा छाया है। मौसम विभाग के

मुताबिक, तीन दिन बाद प्रदेश में दिन-रात के पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है, जबकि 12, 13 और 14 फरवरी को बारिश होने का अनुमान भी है।

ग्वालियर-जबलपुर समेत कई शहरों में दिन के पारे में गिरावट– रविवार को ग्वालियर-चंबल में कहीं-कहीं बादल भी छाए रहे। वहीं, कई शहरों में दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। ग्वालियर में 1.9 डिग्री की गिरावट के बाद पारा 27.4 डिग्री रहा। धार में 2.4 डिग्री की गिरावट हुई और तापमान 26.7 डिग्री पर आ गया। बैतूल, गुना, खंडवा, रतलाम, शिवपुरी, दमोह, जबलपुर, नौगांव, रीवा, सागर, सतना, सीधी, टीकमगढ़, उमरिया और मलाजखंड में भी पारा लुढ़क गया। इधर, शनिवार-रविवार की रात में भी कई शहरों में पारे में मामूली गिरावट देखने को मिली।

आज से नया सिस्टम

3 फरवरी से वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने के आसार है। वहीं, 8 फरवरी को भी एक सिस्टम एक्टिव हो सकता है। इस वजह से प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, प्रदेश के कुछ हिस्से में पहले सप्ताह में बादल छाए रहेंगे। 12, 13 और 14 फरवरी को बारिश होने का अनुमान है। 20 फरवरी के बाद ठंड का असर और कम होगा। जिससे दिन-रात दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी।

अगले 2 दिन ऐसा मौसम

3 फरवरी-मंदसौर, शिवपुरी, दतिया, भिंड में हल्के से मध्यम कोहरा रह सकता है। नीमच, ग्वालियर, मुरैना और श्योपुर में कहीं-कहीं घना कोहरा भी छाया रह सकता है।

4 फरवरी-प्रदेश में कहीं-कहीं पारे में हल्की गिरावट हो सकती है। दिन में धूप वाला मौसम रहेगा।

एक भर्ती के दो नियम:भर्ती में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को 5 साल, संविदा सुपरवाइजर को 15 साल की छूट

भोपाल। प्रदेशभर में1.80 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कहा- एक भर्ती में दो नियम क्यों मप्र महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कर्मचारी चयन मंडल के जरिए पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा कराई जा रही है। इसमें महिला पर्यवेक्षक के 660 पद शामिल हैं। इस परीक्षा पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संगठनों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सरकार प्रदेश की 1.80 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सिर्फ 5 वर्ष की छूट दे रही है।

यानी हम सिर्फ 45 साल आयु तक आवेदन कर सकती हैं। जबकि पूरे प्रदेश में केवल 1400 संविदा सुपरवाइजर को 15

साल की छूट दे दी गई हैं। यानी संविदा पर काम करने वाली म?हिलाएं 55 वर्ष की आयु तक आवेदन कर पा रही हैं। इस मामले में आंगनवाड़ी संगठनों ने भर्ती में गड़बड़ी की आशंका जताई है।

इतना ही नहीं मप्र के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका मिनी कार्यकर्ता संघ की तरफ से हाइकोर्ट में याचिका भी लगाई थी। जिसमें कोर्ट की तरफ से निर्देश दिया गया गया है कि मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी भर्ती में बराबर का अधिकार दिया जाए।

इस मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से भर्ती प्रक्रिया देख रहे संयुक्त संचालक राजेश प्रताप सिंह से बात की तो उन्होंने कहा कि कोर्ट का ऑर्डर अभी नहीं देखा है। प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है, इससे अधिक मैं कोई जवाब नहीं दे सकता।

भोपाल में महाशिवरात्रि की तैयारियां शुरू

26 फरवरी को निकलेगी शिव बारात, समिति ने पीले चावल देकर किया आमंत्रित

भोपाल। आगामी 26 फरवरी को महाशिवरात्री पर्व पर निकलने वाली शिव बारात की तैयारियां शहर में जोर-शोर से चल रही हैं। श्री शिव आश्रय सेवार्थ समिति (दरबार) ने रविवार को 12 नंबर स्थित बीडीए मल्टी में विशेष आमंत्रण समारोह का आयोजन किया, जहां ढोल-ढमाकों के साथ भक्तों को पीले चावल देकर बारात में शामिल होने का न्योता दिया गया।

समिति की ओर से 2 से 10 फरवरी तक आमंत्रण पत्र वितरण का कार्यक्रम चलेगा। इस दौरान 12 नंबर मल्टी, 11 नंबर मार्केट, 10 नंबर मार्केट, साई बाबा नगर के साथ-साथ पूरे अरेरा कॉलोनी के श्व7 और श्व6 क्षेत्र में आमंत्रण पत्र बांटे जाएंगे। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष राकेश सिंह बिष्ट (बल्लू भैया), रमेश पाटिल, देवेंद्र ठाकुर सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

महाशिवरात्री के इस पावन अवसर पर विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठन भी अपने-अपने स्तर पर विशेष कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटे हुए हैं, जिससे इस वर्ष का पर्व और भी भव्य रूप में मनाया जा सके।

15 साल बाद भोपाल में स्टेट लेवल बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन

भोपाल के मोहम्मद अल्ताफ बने चैंपियन ऑफ चैंपियन, 52 जिलों के 240 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

भोपाल। भोपाल के रविंद्र भवन में रविवार को गोल्डन क्लासिक सीजन-2 बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन हुई। इसमें बॉडी बिल्डिंग और मेन्स फिजिक के मुकाबले हुए। भोपाल में लगभग 15 साल बाद स्टेट लेवल बॉडी बिल्डिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन हुआ। भोपाल जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और आयोजन समिति के सदस्य मलिक इकरार ने बताया कि इससे पहले जिला स्तर पर गोल्डन क्लासिक का सीजन-1 भी हुआ था।

कॉम्पिटिशन में प्रदेश भर के 52 जिलों से 240 खिलाड़ी आए। यह प्रतियोगिता लगभग 55 किलो से 100 प्लस वेट केटेगरी में हुई। वहीं, मैन फिजिक कॉम्पिटिशन दो कैटेगरी

165 सेंटीमीटर से कम और इससे ज्यादा हाइट वालों की हुई। जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के माध्यम से आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों के आवास और भोजन की व्यवस्था की थी। कॉम्पिटिशन की इनामी राशि 4 लाख रुपए थी।

भोपाल के मोहम्मद अल्ताफ बने चैंपियन ऑफ चैंपियन– कॉम्पिटिशन में चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब भोपाल के मोहम्मद अल्ताफ ने जीता। वहीं, ग्वालियर के राजीव साहू को बेस्ट इंप्रूव बॉडी, भोपाल के मोहम्मद अख्तर को बेस्ट पोजर और हरदा के मिर्जा जमाल को बेस्ट मस्कुलर बॉडी का खिताब मिला।